राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात, संस्करण गुरूवार,04जुन2020 वर्ष–2, अंक –92 पृष्ठ–04 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इटली के डॉक्टर्रों का दावा अब कमजोर हो चुका है कोरोना वायरस, डब्ल्यूएचओ ने चेताया दावा सही नहीं

रोम (एजेंसी)। यूरोप में कोरोना वायरस ने सबसे पहले इटली को अपना शिकार बनाया था। यहां कुल 2,32,997 केस पाए गए हैं और 33,415 मौत हो गई। बुजुर्गों की बड़ी आबादी होने की वजह से इटली में कोरोना के शुरुआती दौर में हर दिन बड़ी संख्या में मरने वालों की संख्या में इजाफा हो रहा था क्योंकि कोरोना ज्यादा उम्र के लोगों को आसानी से शिकार बना रहा था। हालांकि, इटली के एक सीनियर डॉक्टर का मानना है कि अब वायरस कमजोर हो चुका है और इसके संक्रमण से मौत की संभावना कम होने लगी है। दूसरी ओर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस दावे को खारिज किया है। इटली में सबसे खराब हालत लॉम्बार्डी की रही। मिलान के सैन रफायल हॉस्पिटल के हेड अल्बर्टो जंगरीलो का कहना है कि क्लिनिकली वायरस अब इटली में नहीं है।

उन्होंने बताया है कि पिछले 10 दिन में किए गए टेस्ट में मिला वायरस एक–दो महीने पहले की तुलना में बेहद कम हो चुका है। उन्होंने कहा कुछ एक्सपर्ट धारणाएं नहीं फैलानी चाहिए कि वायरस अचानक से अपने आप कमजोर हो गया है।

ब्रिटेन के बाद यूरोप में अभी भी कोरोना से मरने वालों की संख्या सबसे ज्यादा इटली में ही है। यहां पहला मामला 21 फरवरी को सामने आया था। इन्फेक्शन के नए मामले और मरने वालों की संख्या में मई में गिरावट देखने को मिली और अब लॉकडाउन में ढील भी दी जाने लगी है। इटली अब दोबारा खड़े होने के लिए तैयार है। करीब तीन महीने के लॉकडाउन के बाद राजधानी रोम को खोल दिया गया है। टूरिस्ट डेस्टिनेशन्स में सबसे मशहूर शहरों में से एक रोम में पर्यटकों के लिए सबसे बड़े आकर्षण के केंद्र कोलोजियम और वैटिकन संग्रहालय के खुलने से वहां लोगों की भारी भीड़ उमड़ी पड़ी। संग्रहालय की निदेशक बारबरा जट्टा पर्यटकों का अभिवादन करने क लिए बाहर आईं जो कतार में एक–दूसरे से दूरी बनाकर खड़े थे और अंदर जाने से पहले अपना तापमान मापे जाने का इंतजार कर रहे थे।

इन्फेक्शन के दूसरे दौर को लेकर परेशान हैं और नेताओं को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। सरकार ने भी कहा है कि अभी सतर्क रहना जरूरी है। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने, बड़ी संख्या में इकट्ठा न होने, हाथ सैनिटाइज करने और मास्क पहनने के लिए लोगों से कहा गया है। जेनोआ के सैन मार्टीनो अस्पताल में संक्रामक बीमारियों के क्लिनिक के हेड मैशियो बसेटी का भी यही कहना है कि दो महीने पहले वायरस जितना शक्तिशाली था, अब नहीं है। हालांकि, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस दावे को खारिज किया है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि ऐसी

महाराष्ट्र में निसर्ग तूफान ने मचाई तबाही, जन हानि की खबर नहीं कहीं पेड़ उखड़े तो कहीं बिजली के खंभे गिरे

मुंबई, (एजेंसी)। बुधवार दोपहर 1 बजे चक्रवात निसर्ग महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के अलीबाग में 120 किलोमीटर प्रति घंटा की हवाओं की रफ्तार के साथ समंदर तट से जा टकराया. चक्रवात निसर्ग तूफान की आहट से समंदर में ऊंची–ऊंची लहरें उठने लगीं और तेज हवाओं की वजह से पेड़ उखड़ने लगे. कई जगहों पर बिजली के खंभे जमीन पर आ गिरे. चक्रवात निसर्ग के असर से मुंबई में भी कई स्थानों पर पेड़ गिरे और नवी मुंबई में तो एक बस स्टॉप धराशायी हो गया. समाचार लिखे जाने तक मुंबई के ज्यादातर इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश हो रही थी. तेज हवाओं के चलते मरीन लाइन्स समेत कई इलाकों में पेड़ गिरने से वाहनों को नुकसान हुआ. सड़कें जाम हो गई. हालांकि कहा जा रहा है कि मुंबई में आने वाला चक्रवात 50 किलोमीटर दक्षिण में चला चला गया. इससे मुंबई पर इसका खतरा कम हुआ है. आपको बता दें कि मुंबई को 100 सालों बाद इस तरह के तूफान का सामना करना पड़ा. तूफ़ान की तबाही से निपटने के लिए एनडीआरएफ की 21 टीमों को तैनात किया गया था. इस तूफ़ान का ज्यादा असर मुंबई, ठाणे, रायगढ़ और रत्नागिरी में देखा गया. कई जगहों पर तेज हवाओं के चलते मकानों के छत हवा में उड़ गए. वहीं बारिश और तेज हवाएं चलने से मुंबई पुलिस ने बांद्रा–वर्ली समुद्री लिंक पर वाहनों की आवाज. ाही रोक दी. इंट्री और एग्जिट दोनों पॉइंट पर पुलिसर्मियों ने बेरिकेटिंग कर दी थी, ताकि किसी भी वाहन के प्रवेश से रोका जा सके. तूफान की वजह से मुंबई के समुन्द्र में भी काफी तेज उंची लहरें उठीं. वहीं एनडीआरएफ के डीजी ने लोगों को सलाह दी कि वे कम से कम छह या सात घंटे बाहर न निकलें. उधर मुंबई के छत्रपति शिवाजी अंतरराष्ट्रीय टर्मिनस पर विमानों की लैंडिंग या टेकऑफ को बुधवार शाम 7 बजे तक के लिए रोक दिया गया. बहरहाल चक्रवात निसर्ग से फिलहाल किसी तरह की जन हानि की खबर नहीं है. जो नुकसान हुआ है वो घरों की टिन की छत टूटने या पेड़ गिरने से गाड़ियों को नुकसान होने की

खबरें हैं.

– मुंबई में कई जगहों पर पेड़ उखड़े

निसर्ग तूफान की वजह से मुंबई स्थित विधान भवन परिसर के अंदर भी 4 पेड़ उखड़ गए. इसके अलावा ब्रेबोन स्टेडियम इलाके में भी कई वाहनों पर पेड़ गिर गए, जिससे कई वाहन क्षतिग. स्त हो गए. मरीन लाइंस इलाके में भी एक विशाल पेड़ सड़क के बीच में गिर गया. जिससे काफी समय तक उस रास्ते पर आवाजाही बंद रही. कालाचौकी इलाके में एक पेड़ टैक्सी पर गिर गया, जिससे वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया. वहीं सायन इलाके में भी पेड़ गिरने की खबर है.

– कोंकण में तबाही का मंजर

कोंकण तट पर बसे रत्नागिरी में तबाही का मंजर ज्यादा दिखाई दिया. जहां टिन शेड और छतें चादर की तरह उड़ गईं. तूफान के टकराने के बाद यहां हवाएं 100 किमी से भी तेज गति से चली. जिसके कारण कई घरों की छतों को नुकसान पहुंचा और बिजली के खंभे उखड़ गए. सोशल मीडिया पर तेज हवाओं के साथ हो रही बारिश के वीडियो वायरल हो रहे हैं. इस बीच एक वीडियो में तूफान की तेज रफ्तार के कारण एक मकान की छत उड़ती नजर आ रही है. हालांकि, मकान की छत टीन से बनी हुई थी. उधर पालघर के अलीबाग इलाके में चक्रवात के बाद जन जीवन अस्त व्यस्त हो गया. वहीं कई बड़े पेड़ जड़ समेत उखड़ गए. जबकि तेज हवा और बारिश के चलते रायगढ़ जिले में कई जगहों पर मोबाइल नेटवर्क सेवा प्रभावित हुई है.

– करीब 110 किमी/घंटा की रफ्तार से चली हवा

निसर्ग' चक्रवात बुधवार दा. `पहर महाराष्ट्र और गुजरात के समुद्री तट से टकराया और इस दौरान हवा की गति 100–110 किलोमीटर प्रतिघंटा है, जो कि 120 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार तक जा सकती है. समुद्र में लगातार ऊंची–ऊंची लहरें उठ रही थी। मुंबई एवं इसके आस–पास के शहरों में भी तेज हवाओं का असर दिखा जब कई जगहों पर पेड़ उखड़ गए और तो कहीं बिजली के तार टूट गए. वहीं कुछ जगह मकान की टीन की छत उड़ गई.

लहरें इतनी ऊंची कि जहाज भी हिलने लगा

मुंबई में समुद्र में तैनात जहाजों पर भी चक्रवात निसर्ग का असर दिख रहा था. समुद्र में उठ रही लहरें इतनी ऊंची थी कि जहाज भी हिल रहे थे. एहतियातन प्रशासन ने समुद्र के पास से सभी लोगों को हटा दिया.

– महाराष्ट्र में एनडीआरएफ की 21 टीमें

एनडीआरएफ की टीमें लगातार राहत कार्य में जुटी हैं. एनडीआरएफ के डीजी एस एन प्रधान ने कहा कि महाराष्ट्र और गुजरात में निसर्ग चक्रवात के मद्देनजर एनडीआरएफ की 43 टीमें तैनात की गई हैं. इनमें से एनडीआरएफ की 21 टीमें महाराष्ट्र में चक्रवात प्रभावित इलाकों में तैनात हैं. चक्रवात के मद्देनजर एक लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर ले जाया गया है.

69000 शिक्षक भर्ती पर लगी रोक

इलाहाबाद (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश परिषदीय प्राथमिक स्कूलों में 69000 सहायक अध्यापकों की भर्ती पर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने फिलहाल रोक लगा दी है। परीक्षा नियामक प्राधिकारी कार्यालय ने 9 मई को संशोधित उत्तरमाला और 12 मई को परिणाम जारी किया था, लेकिन एक–दो नंबर से फेल हो रहे सैकड़ों अभ्यर्थियों ने तकरीबन एक दर्जन प्रश्नों के उत्तर को

चुनौती देते हुए

हाईकोर्ट की इला. हाबाद और लखनऊ खंडपीठ में 200 से अधि ाक याचिकाएं दाखिल की थीं।

वरिष्ठ अधिवक्ता एचजीएस परिहार के मुताबिक, शिक्षक भर्ती प्रक्रिया को स्थगित कर दिया गया है और कोर्ट ने अभ्यर्थियों को आपत्ति दर्ज करने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है। इन आपत्तियों को सरकार यूजीसी के पास भेजेगी। यूजीसी एक विशेषज्ञ कमेटी बनाकर सभी आपत्तियों

को निस्तारित करेगी। मामले की अगली सुनवाई 12 जुलाई को होगी। बताया जा रहा है कि शिक्षक भर्ती का रिजल्ट जारी होने के बाद से विभाग याचिकाओं का जवाब लगाने में ही व्यस्त है।सर्वाधिक विवादित प्रश्न नाथ सम्प्रदाय के प्रवर्तक से जुड़ा है। विषय विशेषज्ञों ने नाथ सम्प्रदाय के प्रवर्तक मत्स्येन्द्रनाथ को माना है, जबकि अभ्यर्थी साक्ष्यों के साथ गोरखनाथ सही जवाब बता रहे हैं। इसके अलावा भारत में गरीबी का आकलन किस आधार पर किया जाता है समेत अन्य प्रश्नों के उत्तर के खिलाफ अभ्यर्थियों ने याचिकाएं दाखिल की हैं।

विषय विशेषज्ञों की रिपोर्ट पर पाठ्यक्रम से बाहर के पूछे गए हिन्दी के तीन प्रश्नों पर सभी को समान रूप से प्रत्येक प्रश्न के लि एक–एक कुल तीन–तीन नंबर दिए जा चुके हैं। आपको बता दें कि इस भर्ती के लिए काउंसलिंग शुरू हो रही है। काउंसलिंग के लिए चयनित अभ्यर्थी आवश्यक दस्तावेज के साथ उपस्थित होने चाहिए।

काउंसिलिंग में सोशल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखते हुए मास्क लगाकर और सेनिटाइजर के साथ प्रतिभाग को अनुमति मिलेगी। का. उंसिलिंग कराने वाले अभ्यर्थियों के अलावा अन्य को प्रवेश नहीं मिलेगा। काउंसलिंग परिसर की वीडियोग्राफी सीसीटीवी कैमरों से कराई जाएगी। इससे पहले उम्मीदवारों को जिला आवंटित कर दिए गए थे।

पत्नी की कॉल रिकॉर्ड करना निजता के अधिकार का उल्लंघन

चंडीगढ़ (एजेंस)। पत्नी को क्रूर दिखाने के लिए उसकी जानकारी के बगैर कॉल रिकॉर्ड करना निजता के अधिकार का हनन है, जिसे किसी भी सूरत में प्रोत्साहित नहीं किया जाना चाहिए। बच्चे की हिरासत को लेकर दाखिल याचिका पर सुनवाई के दौरान पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी की। हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए पंचकूला निवासी महिला ने बताया कि पति के साथ उसका वैवाहिक विवाद चल रहा है। विवाद के दौरान पति उसकी चार साल की बेटी को लेकर चला गया। याचिकाकर्ता ने कहा कि ऐसा करना सीधे तौर पर उसकी बेटी की अवैध हिरासत में रखने जैसा है। उसने बताया कि बेटी किसके पास रहेगी इसको लेकर फैमिली कोर्ट में मामला विचाराधीन है। याचिकाकर्ता ने सुनवाई के दौरान बताया कि पति उसे क्रूर साबित करने के लिए उसके फोन कॉल रिकॉर्ड करता है तथा इसे उसने सुबूत के तौर पर पेश किया है।;हाईकोर्ट ने इस पर हैरानी जताते हुए कहा कि कैसे कोई व्यक्ति किसी की निजता के अधिकार का हनन कर सकता है। जीवनसाथी के साथ फोन पर की गई बातचीत को बिना उसकी मंजूरी के रिकॉर्ड करना निजता के अधिकार के हनन का मामला बनता है। हाईकोर्ट ने रिकॉर्डिंग कर कोर्ट ने इसे सबूत के तौर पर पेश करने वाले पति को जमकर फटकार लगाई।

इंफोसिस के 74 कर्मचारी हुए करोड़पति, चेयरमैन नीलेकणी ने नहीं लिया वेतन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईटी सर्विस की दिग्गज कंपनी इंफो. सिस के करोड़पति कर्मचारियों की संख्या वित्त वर्ष 2019–20 में बढ़कर 74 तक पहुंच गई है।एक साल पहले कंपनी में करोड़पति कर्मचारियों की संख्या 64 तक थी। इस दौरान इंफोसिस के चेयरमैन नंदन नीलेकणी ने स्वेच्छा से अपनी सेवाओं के लिए कोई पारिश्रमिक नहीं लिया है। इन करोड़पति कर्मचारियों में ज्यादातर वाइस प्रेसिडेंट और सीनियर वाइस प्रेसिडेंट स्तर के लोग हैं। इंफोसिस की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक इन एग्जीक्यूटिव्स के वेतन पैकेज में भारी बढ़त इस वजह से दिख रही है, क्योंकि उन्हें जो शेयरों के रूप में इंसेटिव मिला है उसकी वैल्यू काफी बढ़ गई है। वित्त वर्ष 2019–20 में कंपनी के कर्मचारियों की औसत सैलरी 10 फीसदी बढ़कर सालाना 6.8 लाख रुपये तक पहुंच गई है। लेकिन इंफोसिस के सीईओ सलिल पारेख और सीओओ यूबी प्रवीण राव का वेतन इस औसत के क्रमशः 502 और 155 गुना है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि चेयरमैन नंदन नीलेकणी ने स्वेच्छा से अपनी सेवाओं के लिए कोई पारिश्रमिक नहीं लिया है। पिछले साल इंफोसिस के बोर्ड ने अपने कर्मचारियों को करोड़ों रुपये के शेयर देने के प्लान को आगे बढ़ाया था। इस दौरान इंफोसिस के सीईओ सलिल पारेख के वेतन पैकेज में 2019–20 में लगभग 39 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है और यह 34.27 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। 2018–19 में पारेख की सैलरी 24.67 करोड़ रुपये थी। 2019–20 के लिए कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट से पता चला कि उनके कुल वेतन में 16.85 करोड़ रुपये सैलरी, स्टॉक से 17.04 करोड़ रुपये और 38 लाख रुपये (अन्य) शामिल हैं।

दिल्ली दंगों साजिश में निजामुद्दीन मरकज और देवबंद का नाम क्राइम ब्रांच की चार्जशीट में ज़िक

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की भारत यात्रा के दौरान नॉर्थ ईस्ट दिल्ली में हुए दंगों की साजिश में पहली बार हजरत निजामुद्दीन स्थित मरकज और सहारनपुर स्थित देवबंद का नाम सामने आया है। राजधानी स्कूल केस में दाखिल चार्जशीट में क्राइम ब्रांच ने खुलासा हुआ है। इसके पहले पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई), महिला स्टूडेंट ग्रुप पिंजरा तोड़, इंडिया अगेंस्ट हेट, जेएनयू के पूर्व स्टूडेंट उमर खालिद, जामिया को–ऑर्डिनेशन कमिटी और जेएनयू के अलगाववादी विचारधारा से जुड़े छात्रों का ही साजिश में लिंक बताया जा रहा था। दिल्ली पुलिस ने दंगों को लेकर 752 मुकदमे दर्ज कर 1300 से ज्यादा आरोपियों को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच को 59 केसों की तफ्तीश सौंपी गई, जिसने पांच केसों की चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी है।

दंगे से पहले गया था देवबंद

दयालपुर थाना इलाके के शिव विहार तिराहे पर न्यू मुस्तफाबाद स्थित राजधानी पब्लिक स्कूल के मालिक फैसल फारूखी को एरिया में दंगे फैलाने का साजिशकर्ता करार दिया गया है। चार्जशीट में दावा किया है कि फैसल की कॉल डिटेल रिकॉर्ड खंगालने पर सामने आया कि वह पीएफआई, पिंजरा तोड़, जामिया को–ऑर्डिनेशन कमिटी, मरकज और देवबंद के अहम सदस्यों के संपर्क में था। यहीं नहीं, इलाके में दंगे से ठीक एक दिन पहले यानी 23 फरवरी को वह देवबंद भी गया था। क्राइम ब्रांच ने चार्जशीट में क्रॉनोलाजी दी है। इसमें दावा किया गया है कि 11 दिसंबर 2019 को नागरिकता संशोधन कानून के संसद से पास होने के बाद एक धर्म विशेष के लोगों ने पूरे देश में योजनाबद्ध तरीके धरने–प्रदर्शन शुरु कर लोगों को भड़काया। जामिया यूनिवर्सिटी में 13 दिसंबर को हिंसा से इसका आगाज हुआ। न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में 15 दिसंबर को पीएफआई के लोगों के अलावा जेएनयू के स्टूडेंट शरजील इमाम और पूर्व छात्र उमर खालिद ने भड़काऊ भाषण दिए।

लद्दाख सीमा पर भारत–चीन सेना तैनात, तिब्बत में रात के अंधेरे में चीन कर रहा युद्धाभ्यास

पेइचिंग (एजेंसी)। चीन अपने मंसूबों को अंजाम देने के लिए भारत की सीमाओं में लगातार अतिक्रमण कर रहा है।

लिहाजा भारत–चीन की सीमा पर दोनों देशों की सेनाएं पिछले कई दिनों से मुस्तैद हैं। इस तनावपूर्ण स्थिति पर पूरी दुनिया की नजर है। एक ओर जहां अमेरिका चीन से ताकत की जगह कूटनीति के इस्तेमाल की अपील कर चुका है, वहीं दूसरी ओर चीन आधी रात के अंधेरे में युद्धाभ्यास कर रहा है। चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की तिब्बत मिलिट्री कमांड ने सोमवार देर रात 4,700 मीटर की ऊंचाई पर सेना भेजी और कठिन हालात में अपनी क्षमता का परीक्षण किया। चीन के सरकारी अखबार ने इस युद्धाभ्यास की जानकारी दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और चीन की सीमा ऊंचाई पर है और दोनों देशों की सेनाओं के बीच में कुछ 'घटनाएं' हुई हैं जिसके बाद दोनों तरफ तैनाती की गई है। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि चीन तनाव के इस माहौल में एक कदम आगे की तैयारी करके चल रहा है। गौरतलब है कि अमेरिका भी इस बात को लेकर चिंता जता चुका है कि भारत से लगी सीमा पर चीन का आक्रामक रवैया 'खतरनाक' है।

चीन के टीवी चैनल के मुताबिक सोमवार रात 1 बजे पीएलए की स्काउट यूनिट ने तांगुला पहाड़ी की ओर बढ़ना शुरू किया। मार्च के दौरान गाड़ियों की लाइटें बंद रहीं और नाइट विजन डिवाइस की मदद ली गई ताकि ड्रोन से बचा जा सके। रास्ते में आने वाली रुकाव. टों को पार करके ड्रोन की मदद से विस्फोट किए गए। टार्गेट के करीब पहुंचकर कॉम्बैट टेस्ट भी किया गया जिसके लिए स्नाइपर यूनिट को आगे भेजा गया। साथ ही फायर स्ट्राइक टीम ने हल्के हथियारों वाली गाड़ियों को ऐंटी टैंक रॉकेट से उड़ाया। इसके बाद कमांडरों ने गाड़ी के ऊपर लगे इन्फ्रारेड सैन्य परीक्षण सिस्टम की मदद से सेना की टुकड़ी को आगे की लड़ाई के लिए टार्गेट तक पहुंचाया। इस युद्धाभ्यास के दौरान करीब 2000 मोर्टार शेल, राइफल ग्रेनेड और रॉकेट्स का इस्तेमाल किया गया। इससे नए हथियारों और उपकरणों के साथ जंग लड़ने के लिए सेना कितनी तैयारी है, यह पता लगा। साथ ही, खुद कठिन परिस्थिति में कैसे लड़ना है इसका परीक्षण भी हुआ।

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linked in
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

फिर रंगभेद

अमेरिका में श्वेत-अश्वेत के बीच तनाव की वापसी दुखद और चिंताजनक है। अमेरिका अपनी रंगभेदी नीतियों को करीब आधी सदी पीछे छोड़ आया था, मगर वास्तव में बदलाव एक हद तक कागजी ही बना हुआ है। रंगभेद की जमीनी हकीकत न केवल निराश करती है, बल्कि अमेरिका के लोकतांत्रिक समाज पर सवालिया निशान भी लगाती है। अमेरिका में अश्वेतों की आबादी 13 प्रतिशत ही है, लेकिन पुलिस के हाथों मारे जाने वालों में उनकी संख्या श्वेतों के मुकाबले ढाई गुना ज्यादा है। अमेरिका की इस स्याह हकीकत की चर्चा लगातार होती रही है, लेकिन ऐसा पहली बार हो रहा है कि तमाम अमेरिकी राज्यों में जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं। और एक सुखद पक्ष यह कि इन प्रदर्शनों में श्वेत भी समान रूप से शामिल हैं। जॉर्ज का दोष ऐसा नहीं था कि पुलिस के हाथों उसकी मौत होती। वह गिरफ्तारी का विरोध कर रहा था, लेकिन तीन पुलिस वाले उसे जमीन पर गिराकर उस पर सवार हो गए। एक पुलिस अफसर ने तो इतनी निर्ममता दिखाई कि लगभग नौ मिनट तक वह जॉर्ज की गरदन पर अपने घुटने के बल सवार रहा। जॉर्ज गुहार लगाता रहा कि उसे सांस लेने में तकलीफ हो रही है, लेकिन उसकी गुहार बेकार गई। इस मौत के वीडियो को लोगों ने वायरल कर दिया और अब अमेरिकी पुलिस बल अपने लोगों के रोष के निशाने पर है। अमेरिका के 70 से ज्यादा शहरों में प्रदर्शन या कहीं-कहीं उपद्रव भी हुए हैं। वैसे लोगों का यह रोष नया नहीं है। अमेरिका में अनेक लोगों के मन में श्वेत वर्चस्व या रंग को लेकर श्रेष्ठता भाव बना हुआ है। घृणा का यह भाव न केवल अतार्किक, बल्कि अमानवीय भी है। इससे अमेरिकी समाज की बदनामी होती है। अमेरिकी समाज में रंगभेद दूर करने की तमाम जमीनी और किताबी कोशिशों के बावजूद वहां जो स्थिति है, उसकी प्रशंसा नहीं हो सकती। जब भी अश्वेतों के प्रति घृणा की बात उठती है, तो अमेरिका की चर्चा जरूर होती है। इस प्रदर्शन व उपद्रव के प्रति अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बहुत चिंतित हैं और उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि निर्दोष लोगों के जीवन और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया, तो सरकार सेना भी तैनात कर सकती है। अमेरिका के लिए यह दोहरी मुसीबत का समय है। एक तरफ वह कोरोना जैसी महामारी से बड़े पैमाने पर जूझ रहा है, वहीं रंगभेद विवाद अमेरिकी प्रशासन के गले की नई हड्डी बन गया है। अब पूरी दुनिया की नजर अमेरिका पर है। अमेरिका को महामारी और मानवीयता, दोनों ही मोर्चों पर परीक्षा से गुजरना होगा। जब महामारी ने मौत का जाल फैला रखा हो, तब तो लोगों के प्रति उदारता और मानवीयता का दामन नहीं छोड़ना चाहिए। इस बीच अमेरिकी प्रशासन के लिए यह जरूरी है कि वह रंगभेद समर्थकों के साथ पूरी कड़ाई से पेश आए। रंगभेद को रोकने के लिए अमेरिकी सरकार को पहले से कहीं ज्यादा चौकस होना चाहिए। वहां पुलिस बल को भी शिक्षित-प्रशिक्षित करने की जरूरत है। पुलिस पर भी यह जिम्मेदारी है कि वह लोगों को आश्वस्त करे। अमेरिका में शांति और एकजुटता की जल्द से जल्द वापसी होनी चाहिए। सबके प्रति उदारता से ही अमेरिकी समाज में सभ्यता और अनुशासन की रौनक लौटेगी और दुनिया के दूसरे देश उससे अच्छे सबक लेंगे।

पाक में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न का सिलसिला

तिलक देवाशर

पिछले साल संयुक्त राष्ट्र के आम अधिवेशन में पाक प्रधानमंत्री इमरान खान ने पश्चिम जगत में व्याप्त इस्लामोफोबिया का जिक्र कई बार किया था। उन्होंने भारत में मुस्लिमों से किए जा रहे कथित दुर्व्यवहार को लेकर कटाक्ष भी किए थे। लेकिन यह सब करने की बजाय उन्हें खुद अपने देश में अल्पसंख्यकों के साथ किए जा रहे भयावह संस्थागत उत्पीड़न पर नजर डालनी चाहिए। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर ईशनिंदा कानून का इस्तेमाल करके दायर किए गए झूठे मामलों की संख्या मुल्क की बाकी आबादी के अनुपात में कहीं ज्यादा है। उनके पूजास्थलों और घरों पर भीड़ अक्सर हमले करती है और शायद ही किसी बलवाई को कानून के तहत सज़ा मिसाल योग्य सुनाई गई हो। उनकी महिलाओं, खासकर छोटी उम्र की बच्चियों का धर्म परिवर्तन करवाकर जबरदस्ती मुस्लिम मर्दों से ब्याह करवा दिया जाता है। कोरोना वायरस की महामारी वाले समय में भी इस किस्म के मामले सामने आए जब अल्पसंख्यकों को भोजन से महरूम रखकर उन्हें जिंदा रहने की एवज में जबरन इस्लाम कबूलने के लिए जोर डाला गया है। यहां तक कि अमेरिका के अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने भी इस साल 28 अप्रैल को दी गई अपनी रिपोर्ट में इस बात का खुलासा किया है कि पाकिस्तानी हिंदू और ईसाइयों को कोरोना काल में भोजन सहायता से तरसा कर बेजा दबाव बनाया है। हालांकि, पाक दावा करता है कि उसका संविधान अल्पसंख्यकों को सभी तरह की धार्मिक आजादी देता है, लेकिन जो बात नहीं बताता वह यह कि उक्त संविधान की अनुपालना अक्सर इसको तोड़ने में की जाती है और पाकिस्तान अल्पसंख्यकों को लेकर दी गई इस्लामिक हिदायतों को लागू करने में भी कोसों दूर है। इमरान खान के राज में नयी चाल यह चली गई कि करतारपुर कॉरिडोर खोला गया है और दीगर हिंदू मंदिरों का जीर्णोद्धार करवाया गया है, फिर इसको यह कहकर प्रचारित किया गया कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों का ख्याल अच्छी तरह किया जाता है। नये कलेवर में सजाए गए कुछ पूजास्थलों पर विदेशी गणमान्य मेहमान जैसे कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव को खासतौर पर ले जाया गया ताकि उनके मुख से पाकिस्तान की 'नरम छवि' का जिक्र करवाया जा सके। पाक का अल्पसंख्यकों के प्रति बर्ताव भवनों के जीर्णोद्धार से परे की चीज़ है। असलियत यह है कि लंबे समय से दुनियाभर के मानवाधिकार संगठन पाकिस्तान को अल्पसंख्यकों के प्रति सबसे खराब रवैया रखने वाले मुल्कों में एक पर गिनते आए हैं। जैसा कि 9 मई को पाकिस्तान की 'डॉन' अखबार के संपादकीय लेख में कहा गया है : 'पाकिस्तान के अल्पसंख्यक ज्यादातर डर के माहौल और असुरक्षा की भावना में जीते हैंज सुरक्षा देने की बजाय इन समूहों को नजरअंदाज किया जाता है या फिर उन्हें दबाया जाता रहा है बारम्बार, जबकि वे उत्पीड़न और भेदभाव के माहौल के बीच किसी तरह जिंदगी ढो रहे हैंज।' संयुक्त राज्य धार्मिक स्वतंत्रता अंतर्राष्ट्रीय आयोग की रिपोर्ट में रेखांकित किया गया है कि कई देश अल्पसंख्यकों की आजादी को तवज्जो नहीं देते और अपने यहां इनको एक अलहदा वर्ग की तरह लेते हैं, मानो अपने ही देश में अलग मुल्क के लोग हैं। उक्त आयोग द्वारा अध्ययन का यह निष्कर्ष वर्ष 2002 से जारी है। इस बात को नकारा नहीं जा सकता कि पाकिस्तान के कानून में ही अल्पसंख्यकों के विरुद्ध भेदभाव निहित है। कट्टरपंथी मौलाना इसको आए दिन और हवा देते हैं और स्कूलों की पढ़ाई में गैर-मुस्लिम धर्मों के आचरण को राक्षसी प्रवृत्ति वाला बताकर छुटपन से ही दिमागों में अल्पसंख्यकों को दोयम दर्जे का मानने वाली धारणा को पुख्ता किया जाता है। अल्पसंख्यक संप्रदायों के विरुद्ध इस किस्म की असहिष्णुता और नफरत 1947 से ही व्याप्त है। बाद वाले दशकों में यह भावना और उग्र होती गई। भले ही लोग भूल जाएं किंतु 11 अगस्त, 1947 के दिन मोहम्मद अली जिन्नाह द्वारा दिए गए बहुप्रचारित भाषण को उनकी मौत के तुरंत बाद सेंसर कर दिया गया गया और इसे कहीं छिपा दिया गया है। लगातार होती आई आलोचना के मद्देनजर पाकिस्तान बजाय समस्या को जड़ से निपटाने के, अपनी अंतर्राष्ट्रीय छवि को सांकेतिक हावभावों और जनसंपर्क अभियानों के दम पर सही करने का प्रयास करता रहा है। 5 मई को संयुक्त राज्य धार्मिक स्वतंत्रता अंतर्राष्ट्रीय आयोग की रिपोर्ट जारी होने के तुरंत बाद पाकिस्तान ने इसी किस्म के एक प्रयास में राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग का पुनर्गठन किया है। पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय ने वर्ष 2014 में पेशावर के ऑल सेंट्स चर्च स्कूल में एक साल पहले हुए जघन्य आतंकी हमले वाले मामले में सुनवाई के बाद एक सरकार को एक अल्पसंख्यक आयोग को शक्तिसंपन्न बनाने के आदेश दिए थे। इस निर्णय के दो मुख्य अवयव यह थे कि यह काम संसदीय कानून के जरिए किया जाए और यह भी कि इसका शक्ति का मुख्य मंतव्य वस्तुतः अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को कानून और संविधान के तहत यकीनी बनाना होगा। राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग पुनर्गठन की आलोचना दो बातों को लेकर बहुत हुई है : पहली, इसकी स्थापना संसदीय विधि से करने की बजाय मंत्रिमंडल के निर्णय द्वारा की गई है, और दूसरी, अल्पसंख्यकों को दरपेश समस्याओं को सुलझाने में यह फिर से शक्तिहीन रहेगा, क्योंकि धार्मिक मामलों के मंत्रालय के अधीन रखे जाने के कारण इसको अपना काम खुलकर करने की आज़ादी नहीं होगी। हालांकि, 19 फरवरी को सर्वोच्च न्यायालय को सौंपे गए अपने जवाब में सरकार ने कहा था कि राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग का पुनर्गठन संसदीय विधि के जरिए किया जाएगा। इस्लामिक विचारधारा समिति के अध्यक्ष किब्ला अयाज़, जो अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष भी हैं, ने खुलासा किया है कि आयोग एक छलावाभर है और इसका काम अल्पसंख्यकों की भलाई के लिए है ही नहीं और न ही इसके पास सरकार के निर्णयों को उलटने की शक्ति है। उन्होंने आगे कहा 'चूंकि अल्पसंख्यकों के हितों को सुरक्षित करने के लिए सरकार पर काफी अतंर्राष्ट्रीय दबाव रहा है, इसलिए अपनी छवि बचाने को आयोग का पुनर्गठन करना धुंध का पर्दा बनाने जैसा काम है। ताकि दुनिया को भ्रमित किया जा सके।' अहमदियों के मामले पर पाकिस्तान सरकार ने शुतुरमुर्गी रवैया अपना रखा है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की पहली बैठक में अहमदियों के लिए अल्पसंख्यक आयोग में एक स्थान रखा गया था। लेकिन दूसरी बैठक में इस प्रस्ताव को हटा दिया गया। चूंकि पाकिस्तान में अहमदियों को कानूनन एक गैर-मुस्लिम वर्ग माना जाता है, उस हिसाब से उनकी गिनती अल्पसंख्यकों में की जानी चाहिए। हां, अगर खुद अहमदिया चाहें तो इस संभावना को नकार सकते हैं क्योंकि वे स्वयं को मुस्लिम मानते हैं। पाकिस्तानियों के लिए अच्छा होगा यदि वे अहमदियों को लेकर जिन्नाह के विचारों के अनुरूप बर्ताव करें जब उन्होंने कहा था : 'जो खुद को मुस्लिम कहते हैं, उन्हें गैर-मुस्लिम ठहराने वाला मैं कौन होता हूं।' हालांकि, संयुक्त राज्य धार्मिक स्वतंत्रता अंतर्राष्ट्रीय आयोग ने इस आयोग के गठन को धार्मिक स्वतंत्रता सुरक्षा बनाने हेतु पाकिस्तान के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है। बिना शक, पाकिस्तान ने अमेरिका को मूर्ख बनाने की कला में महारत प्राप्त कर रखी है। आखिर में, अल्पसंख्यक आयोग का काम क्या होता इसकी भारतीय मिसाल सामने होने के बावजूद नये पाकिस्तानी अल्पसंख्यक आयोग ने अपनी पहली बैठक में ही भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों को दरपेश उत्पीड़न पर विचार किया है।

लेखक राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के सदस्य हैं।

आज के ट्वीट

निर्णय

देश की अर्थव्यवस्था की धुरी हमारे किसान बहनों-भाइयों के विकास व कल्याण के लिए दशकों से लंबित आवश्यक वस्तु अधिनियम में संशोधन एवं 'एक देश-एक कृषि बाजार' जैसे ऐतिहासिक निर्णय केंद्र सरकार ने लिए है।

-- योगी आदित्यनाथ

ज्ञान गंगा

आरक्षण

सद्गुरु

अगर देश में दलित विकास के स्तर की बात करें तो मेरा मानना है कि उन्हें अब भी आरक्षण की जरूरत है। लेकिन शायद हमारी आरक्षण नीति पर फिर से विचार करने का यही सही समय है। एक प्रजातंत्र में, सब कुछ चुनाव के आसपास घूमता है। कोई भी बदलाव की बात नहीं करता, भले ही वह सकारात्मक हो या नकारात्मक, खासतौर पर अगर यह किसी एक खास समुदाय से जुड़ा हो। क्योंकि तब यह चुनाव जीतने या हारने का मसाला बन जाता है। लेकिन हमें इस काम में और देरी नहीं करनी चाहिए। अगर देश में दलित विकास के स्तर की बात करें तो मेरा मानना है कि उन्हें अब भी आरक्षण की जरूरत है। लेकिन शायद हमारी आरक्षण नीति पर फिर से विचार करने का यही सही समय है। शहरी और देहाती दलितों के बीच एक अंतर रख सकते हैं क्योंकि ज्यादातर भेदभाव और परेशानी देहाती इलाके वाले दलितों को सहन करनी पड़ती है। इसलिए देहाती इलाकों के दलितों को शहरी इलाकों में रहने वालों की तुलना में ज्यादा लाभ और सुविधा दी जानी चाहिए। शायद पहली पीढ़ी को यह आरक्षण दिया जाना चाहिए, ताकि वे उस गड्ढे से बाहर आ सकें जो बदकिस्मती से उनके लिए खोदा गया है। दूसरी पीढ़ी के लिए इसे थोड़ा घटा सकते हैं, तीसरी पीढ़ी तक आते-आते उन्हें इससे पूरी तरह से बाहर आ जाना चाहिए। जो दो पीढ़ियां इस गर्त से बाहर आ चुकी हैं उन्हें अपनी इच्छा से, आरक्षण का लाभ उनको दे देना चाहिए। जो इससे अब तक बाहर नहीं आ सके हैं। यह केवल तभी हो सकता है, जब आपमें एक जिम्मेदारी का भाव हो। ये सुविधाएं इसलिए हैं, क्योंकि एक स्तर पर सामाजिक अन्याय अब भी मौजूद है। लेकिन अब हमें इन सुविधाओं को एक दूसरे तरह के अन्याय में नहीं बदलना चाहिए। उसके लिए हमें एक अधिक जागरूक समाज की जरूरत होगी। कॉलेज के दाखिले के लिए आरक्षण अब भी जरूरी हो सकता है, पर किसी छात्र को केवल इसलिए पास नहीं किया जाना चाहिए कि वह किसी खास जाति से जुड़ा है। इस तरह आप देश में काबिलियत के स्तर को घटा रहे हैं। उन्हें अवसर दें, उन्हें कोचिंग दें ताकि उनके भीतर अच्छी स्कूली पढ़ाई न मिल पाने के कारण जो कमी रह गई है, वे उसे पूरा कर सकें। लेकिन काबिलियत से समझौता नहीं होना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

सेहत, सुकून और पर्यावरण की साथी

सरस्वती रमेश

आजकल ऑटो, टैक्सी का किराया बढ़ा हुआ है। बसों में सीमित संख्या में मुसाफिरों को बैठाया जा रहा है। धीरे-धीरे जिन जगहों पर फैक्टरियां खुल भी रही हैं वहां तक कामगारों के पहुंचने में दिक्कत आ रही है। कई कामगारों ने ऑटो, बस के बजाय साइकिल पर भरोसा जताया है। कुछ ने नई साइकिल खरीद ली। कुछ पुरानी ही लेकर आये। सड़कों पर साइकिल को लौटता देख पुराने दिन याद आ गए, जब साइकिल को शान की सवारी समझा जाता था। आज़ादी के बाद कई दशक तक साइकिल व्यक्तिगत यातायात का सबसे ताकतवर और किफायती साधन बना रहा। उन दिनों साइकिल रखना और चलाना दोनों शान की बात समझी जाती थी। लगभग 1990 तक ज्यादातर परिवारों के पास साइकिल हुआ करती थीं। किसान हो या पहलवान, गरीब हो या धनवान किसी को साइकिल से आने जाने में कोई हिचक, परेशानी न थी। डाकिया साइकिल की घंटी बजाते हुए दरवाजे तक आता था। दूर-दराज के गांव से बच्चे पढ़ने के लिए निकट के कस्बाई स्कूलों में जाया-आया करते थे। तमाम दूसरे साधनों के आ जाने के बाद आज भी आप अपने छोटे शहर के किसी कोचिंग सेंटर के बाहर लगी साइकिलों को गिन अंदाजा लगा सकते हैं कि उस कोचिंग में पढ़ाई का क्या स्टेटस है। साइकिल को सिर्फ सवारी समझने की भूल न करिये जनाब। कभी वह दिन भी थे जब 'हरक्यूलस' या 'एटलस' पर रजामंदी न बनी तो दूल्हा-दुल्हन के परिवारों में खिटपिट भी हो जाती। शादियां भी खिंच जाती। कुल जमा दहेज के सामान में साइकिल ही अव्वल हैसियत की चीज थी। साइकिल के पहियों ने गांवों-कस्बों की तरक्की में अहम भूमिका निभाई है। हालांकि, उदारीकरण शुरू होने के बाद साइकिल की बिक्री और उपयोगिता में भारी बदलाव आया। साइकिल ने भी अपने रूप-रंग में भारी तरक्की की। उदारीकरण के कारण गांवों में समृद्धि आई। मध्यवर्गीय साइकिल की जगह बाइक को तरजीह देने लगा। चार पहियों के साथ दोपहिये वाहनों की संख्या में अचानक उछाल आया। लेकिन यह उछाल एक नयी मुसीबत भी साथ लाया। दो पहिया वाहनों से निकलते धुएं से आसमान का रंग मलिन हुआ और पर्यावरण खांसने लगा। प्रदूषण इस कदर हावी हुआ कि इसने लोगों का जीना हराम कर दिया। मर्ज बढ़ने लगे। मौतें होने लगीं। लोगों को जब प्रदूषण के खतरे की चेतना आई तो प्रदूषण को कम करने पर लगातार शोध होने लगे। ऐसे ही एक शोध में आईपीसीसी की एक रिपोर्ट कहती है, दुनिया तीन डिग्री सेल्सियस तापमान की ओर तेजी से बढ़ रही है। जबकि वैज्ञानिकों का कहना है कि हमें हर हाल में तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक बढ़ने नहीं देना चाहिए। नामी पत्रिका फोर्ब्स में छपी एक रिपोर्ट में वैज्ञानिकों का कहना था कि यदि हम भूमंडल में तेजी से हो रहे बदलाव को कम करना चाहते हैं तो हमें ज्यादा से ज्यादा साइकिल चलानी चाहिए। साउथ कोरिया में लगातार एक हफ्ते तक चली मीटिंग में यह निष्कर्ष निकाला गया कि तापमान कम रखने और धरती को रहने योग्य बनाए रखने के लिए कई रास्ते हैं। उन्हीं रास्तों में से एक है पैदल और साइकिल से

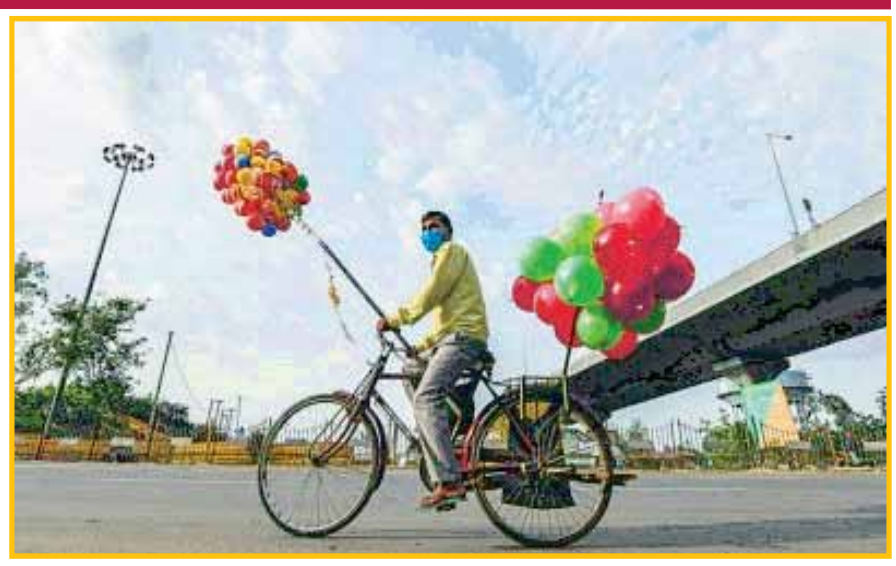

चलना। साइकिल हमारे पर्यावरण का सबसे भरोसेमंद हमसफ़र है। अब तो डॉक्टर भी खुलेआम साइकिल की वकालत करने लगे हैं। यह पर्यावरण के साथ-साथ हमारी सेहत के लिए भी फायदेमंद है। डॉक्टरों का कहना है कि साइकिलिंग करने से स्ट्रेस और एंग्जाइटी दूर भागती है। जिम सेंटर पर ट्रेनरों ने स्टिल साइकिल रखना भी शुरू कर दिया। साइकिल चलानी आये या न आये इस पर बैठ जाइए और पैडल घुमाते रहिए। शरीर मजबूत करने के साथ साइकिल चलाने का शौक भी पूरा करिये। आप साइकिल चलाओगे तो थकान भी होगी और नींद भी अच्छी आएगी। एक हालिया अध्ययन से भी पता चला है कि जो लोग अपने काम-धंधे पर जाने के लिए साइकिल का इस्तेमाल करते हैं, वह अधिक सेहतमंद रहते हैं। साथ ही शारीरिक गतिविधि और उसके स्वास्थ्य लाभ के चलते उनके ज्यादा जीने की संभावना बढ़ जाती है। यह अध्ययन यूनिवर्सिटी ऑफ ओटागो, वेलिंगटन, यूनिवर्सिटी ऑफ मेलबर्न और ऑकलैंड विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा किया गया है। उन्नीसवीं सदी की महान खोज साइकिल की अहमियत आज भी खत्म नहीं हुई है। हो सकता है कि साइकिल चलाने से कुछ लोगों की हैसियत को चूना लगता हो, मगर विदेश में इस काबिल साधन के प्रति लोगों की दृष्टि बिल्कुल हेय नहीं है। वहां लोग छुट्टियों में साइकिलिंग का लुत्फ भी उठाते हैं और काम के लिए इस्तेमाल भी करते हैं। इसके बावजूद चीन के बाद दुनिया में आज भी सबसे ज्यादा साइकिल भारत में बनती हैं। जर्मनी के सबसे बड़े शहर बर्लिन में 78 फीसदी लोग आने-जाने के लिए साइकिल का इस्तेमाल करते हैं।

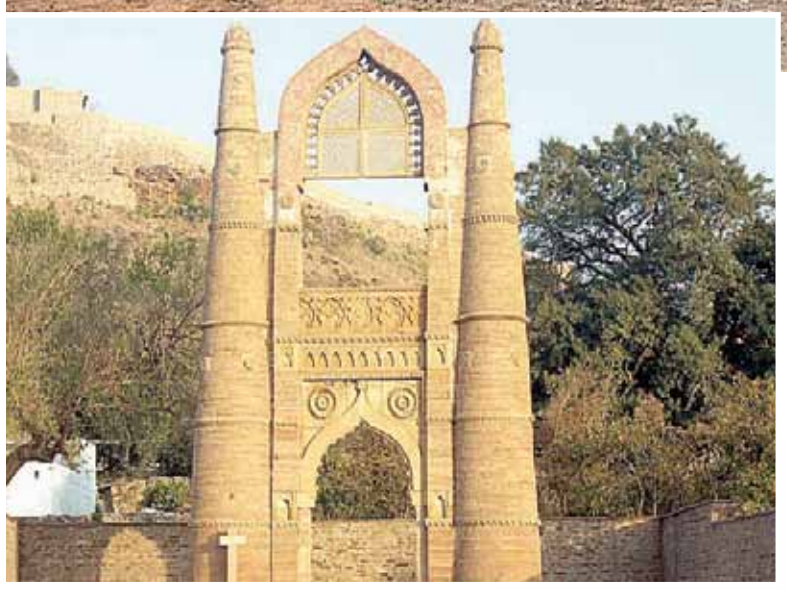

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऐतिहासिक शहर चन्देरी

मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड में चंदेरी विंध्याचल पर्वत से घिरा है। ऐतिहासिकता समेटे यह शहर पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रहा है। हालांकि अब तक पता नहीं चल पाया कि चंदेरी शहर की खोज किसने की। एक किवंदती के अनुसार ऐसा माना जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण के चचेरे भाई राजा शिशुपाल ने वैदिक काल में इस शहर की खोज की थी। दूसरी किवंदती के अनुसार राजा चेद ने इस शहर की नींव रखी और 600 ईस्वीं पूर्व के लगभग यहां शासन भी किया। चंदेरी का इतिहास पर्यटकों को चौंकाता है।

चंदेरी जैन संस्कृति का मुख्य केंद्र है। वर्तमान चंदेरी शहर से 19 किलोमीटर की दूरी पर उर्वशी नदी के किनारे पुरानी चंदेरी है। इसे बुधी चंदेरी भी कहा जाता है। शिवपुरी से 127 किलोमीटर दूर चंदेरी चारों तरफ से पहाड़ियों, झीलों और जंगलों से घिरा है। यहां बुंदेल राजपूत और मालवा के कई स्मारक इस शहर की शान बढ़ाते हैं। यहां तक कि इस शहर का जिक्र महाभारत में भी किया गया है। महाभारत काल के दौरान शिशुपाल यहां के राजा थे। यह शहर मालवा, मेवाड़, मध्य भारत और दक्षिण से व्यापार का रास्ता बना था।

चंदेरी में देखने के लिए कई ऐतिहासिक धरोहर हैं। जैसे कोशाक महल। यह साधारण इमारत चंदेरी से चार किलोमीटर की दूरी पर है। 1445 में इसे विजय स्मारक के रूप में बनाया गया। मालवा के सुलतान महमूदशाह खिलजी ने महमूद शरकी पर जीत की खुशी में यह स्मारक बनवाया था।

यहीं पर शहजादी का रउजा परमेश्वर तालाब के नजदीक बनाई गई है। यह चारों तरफ चार गुंबदों और बीच में एक बड़े गुंबद में ढकी थी। मगर समय के साथ यह क्षतिग्रस्त हो गई। 15वीं शताब्दी के करीब इसे चंदेरी के गर्वनर ने अपनी बेटी मेहरूनिसा की याद में बनवाया था। कहा जाता है कि मेहरूनिसा को आर्मी के चीफ से प्यार हो गया था। लेकिन गर्वनर ने चीफ को मरवा दिया। यह बात उनकी बेटी बर्दाश्त नहीं कर पाई और उसने भी उस चीफ के साथ दम तोड़ दिया। उसी जगह यह स्मारक बनाया गया। आज भी यह स्मारक उस जोड़े की प्रेम की गाथा कहता है। इस स्मारक के चारों तरफ तालाब हैं। इसलिए इसके अंदर नहीं जाया जा सकता।

रामनगर पैलेसे एंड म्यूजियम को 1698 में महाराजा दुर्जन सिंह बुंदेला ने बनवाया था। आज यह आर्किलोजिकल डिपार्टमेंट के अधीन है। इस म्यूजियम में हिंदू मंदिरों के अवशेष, भगवान की मूर्तियां और सती के पत्थर रखे हुए हैं। नौवीं शताब्दी से लेकर 18वीं शताब्दी की वस्तुएं यहां देखने को मिलती हैं। साथ ही चारों तरफ से हरियाली से घिरा मेहजातिया तालाब पर्यटकों का पसंदीदा पिकनिक स्पॉट है। इस तालब की ऐतिहासिक महत्ता है। कहते हैं 28 जनवरी, 1528 में बाबर ने चंदेरी किले पर हमला करने से पहले यहीं अपनी रात बिताई थी।

इसके अलावा कई ऐतिहासिक स्मारक जैसे पुराना मदरसा, बादल महल दरवाजा, गोल बावड़ी, कटी घाटी गेटवे दर्शनीय हैं।

चंदेरी में हैंडलूम का बड़ा कारोबार होता है। खासकर साड़ियों के लिए जिसे चंदेरी सिल्क भी कहा जाता है। यहां तीन तरह के फैब्रिक बनाए जाते हैं- प्योर सिल्क, चंदेरी कॉटन और सिल्क कॉटन। चंदेरी साड़ी पूरे भारत में लोकप्रिय है। इसे हाथ से बुनकर बनाया जाता है।

मुगलों का चंदेरी किला पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केंद्र है। शहर से 71 मीटर ऊपर चंदेरी किला पहाड़ पर है। चंदेरी किले का मुख्य दरवाजा खूनी दरवाजा कहलाता है। इस किले का निर्माण मुसलिम शासकों ने करवाया था। इस किले का दरवाजा पहाड़ की तरफ खुलता है जिसे कटा पहाड़ या कटी घाटी के नाम से जाना जाता है।

चंदेरी का अपना कोई रेलवे स्टेशन नहीं। 110 किलोमीटर की दूरी पर झांसी रेलवे स्टेशन है। यहां से चंदेरी के लिए बस या टैक्सी आसानी से मिल जाती है।

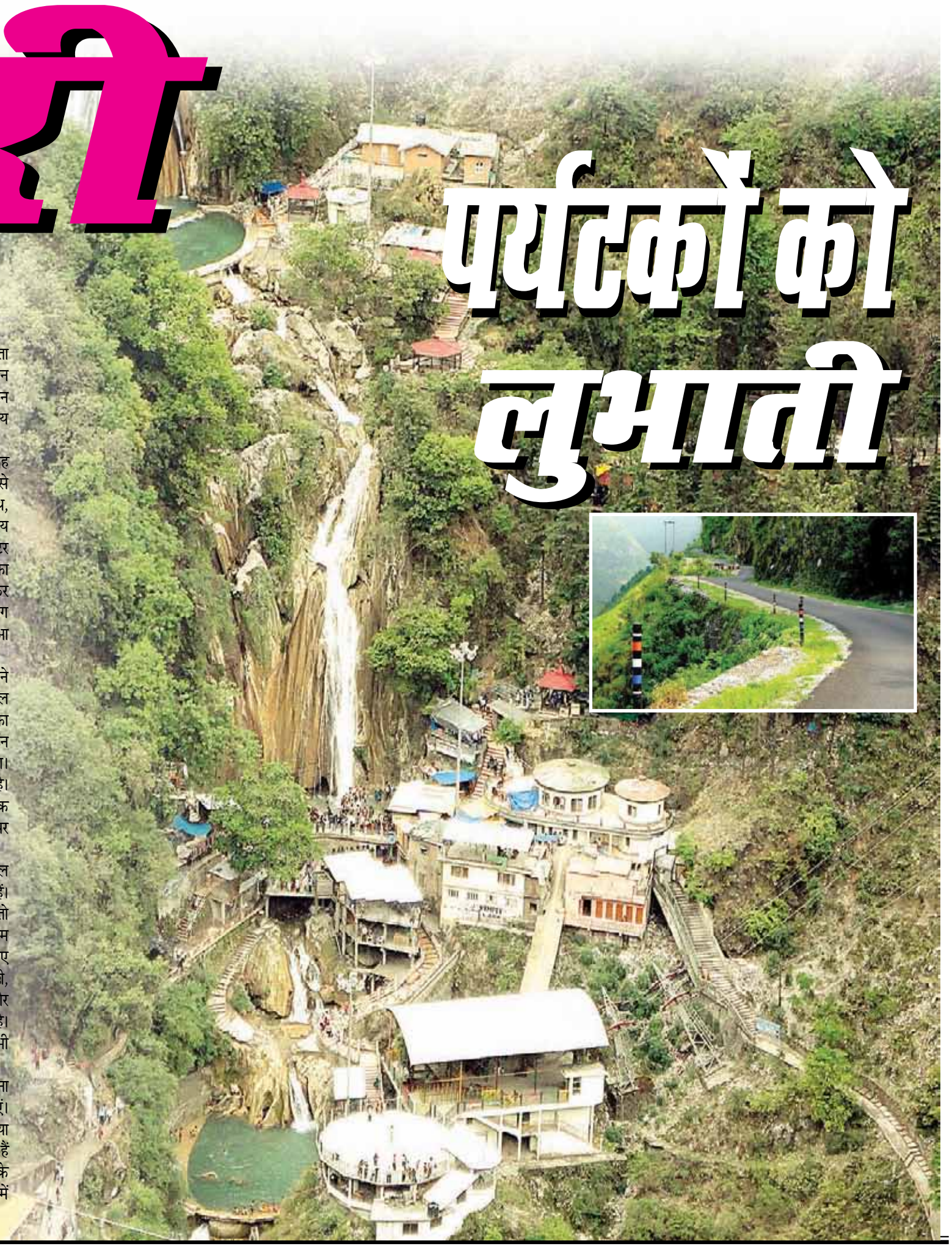

नजदीकी हवाई अड्डा ग्वालियर 210 किलोमीटर की दूरी पर है। चंदेरी दूसरे शहरों से सड़क यातायात से जुड़ा है। चंदेरी आप कभी भी जा सकते हैं।

मसूरी पर्यटकों को लुभाती

पर्यटन स्थल मसूरी अन्य हिल स्टेशनों से भिन्न है क्योंकि यहां एक ओर बर्फ की सफेद चादर ओढ़े भव्य हिमालय प्रहरी की तरह खड़ा है तो दूसरी ओर मैदानों में शीतलता का संचार करती हुई गंगा मंथर गति से बह रही है। मसूरी समुद्र तल से लगभग 6,500 फुट ऊंचाई पर स्थित है। पहाड़ों की रानी मसूरी के नजारों में जरूर कुछ बात है तभी तो यहां हर साल लाखों की संख्या में पर्यटन आते हैं खासकर हनीमून मनाने जाने वाले लोगों के लिए तो यह पसंदीदा जगह है।

गनहिल मसूरी की दूसरे नंबर की सर्वाधिक ऊंची चोटी है। पुराने दिनों में समय का पता लगाने के लिए दोपहर को ठीक बारह बजे इस पहाड़ी पर रखी तोप दागी जाती थी। कुछ समय के बाद तोप हटा ली गई, तब से इसका नाम गनहिल पड़ गया। रोपवे से गनहिल पहुंचने का मजा सचमुच रोमांचक है। गनहिल में जहां एक ओर विशाल हिमालय की दूर-दूर तक फैली सफेद झिलमिलाती चोटियां दिखाई पड़ती हैं वहीं दूसरी ओर दून घाटी की बिखरी पड़ी अद्भुत सुंदरता का नजारा देखने को मिलता है।

कैमल्स बैक रोड़ भी देखने योग्य जगह है। यह सड़क घुड़सवारी व सैर करने के लिए बहुत अच्छी है। कैमल्स बैक का यह रास्ता कुलरी स्थित रिंक हाल से शुरू होकर लाइब्रेरी बाजार पर खत्म होता है। इस रास्ते पर पहाड़ी का आकार कुछ-कुछ ऊंट की पीठ की भांति दिखाई देता है। इसलिए इस सड़क का नाम कैमल्स रोड़ पड़ गया। यहां की खास बात यह है कि पूरे रास्ते में जगह-जगह पर थकान मिटाने तथा प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेने के लिए हवा घर बने हुए हैं।

लंढोर बाजार मसूरी के सर्वप्रथम निर्मित मुलिंगार भवन से शुरू होकर लंढोर के घंटाघर पर खत्म होता है। एक मील लंबा यह बाजार पुराने समय की शान लिए हुए है। इस बाजार में कहीं तो आयातित सामान की दुकानें दिखाई देती हैं तो कहीं विशुद्ध भारतीय सभ्यता की गाथा कहती साधारण दुकानें हैं।

आप लाल टिब्बा भी देखने जा सकते हैं। यह मसूरी की सर्वाधिक ऊंची चोटी है। आप यहां से दूरबीन की मदद से गंगोत्तरी, बदरीनाथ, केदारनाथ, नंदा देवी और श्रीकांता की चोटियों का विहंगम दृश्य देख सकते हैं। मसूरी से लगभग पंद्रह किलोमीटर दूर चकराता रोड़ पर स्थित कैंपटी फाल मसूरी का एक और सुंदर स्थल है। पर्वतों में से फूट कर निकलता हुआ यह झरना पांच अलग-अलग धाराओं में चालीस फुट ऊंचाई से गिरता हुआ दिखाई पड़ता है।

आप नौकायान करना चाहें तो लेकमिस्ट देखने जा सकते हैं। इस स्थान को आधुनिक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया गया है। मसूरी का म्यूनिसिपल गार्डन भी देखने योग्य है। यह गार्डन आजादी से पहले बोटोनिकल गार्डन कहलाता था। आजकल इसे कंपनी गार्डन भी कहा जाता है। कंपनी गार्डन में मुस्कुराते फूलों के अलावा एक छोटी सी कृत्रिम झील भी बनाई गई है। यहां पर निकट में ही एक छोटा सा तिब्बती बाजार भी है।

इन सब स्थानों के अलावा आप मसूरी झील और भट्टा फाल तथा क्लाउड ऐंड भी देख सकते हैं। मसूरी के निकटवर्ती स्थलों की बात की जाए तो यमुना ब्रिज और नाग टिब्बा सहित धनोल्टी का नाम लिया जा सकता है। मसूरी तक जाने के लिए निकटतम रेलवे स्टेशन देहरादून है। देहरादून दिल्ली, हावड़ा, लखनऊ, वाराणसी, मुंबई, अमृतसर और इलाहाबाद आदि से रेल मार्ग से जुड़ा हुआ है। देहरादून से मसूरी तक जाने के लिए टैक्सियां भी आसानी से मिल जाती हैं।

यदि आप गर्मी से राहत पाने के लिए मसूरी जाना चाहते हैं तो अप्रैल से जून के बीच मसूरी जाएं। जुलाई से सितंबर तक यहां बरसात का आनंद लिया जा सकता है। यदि वहां घूमने-फिरने जाना चाहते हैं तो इसके लिए उत्तम समय अक्टूबर से दिसम्बर के बीच का है। यहां जनवरी से फरवरी के बीच में हिमपात होता है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बाजार में लगातार छठे दिन तेजी, निफ्टी फिर से 10 हजार अंक के पार

मुंबई .

वैश्विक बाजारों के सकारात्मक संकेत और निवेशकों की लिवाली जारी रहने से देश के शेयर बाजारों में लगातार छठे दिन तेजी का रुख रहा। बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स 284 अंक लाभ में रहा और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 10 हजार अंक से ऊपर बंद हुआ। बैंकिंग और दूसरी वित्तीय कंपनियों के शेयरों में भारी लिवाली का जोर रहा। कारोबार के दौरान बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 34,488.69 अंक की ऊंचाई छूने के बाद कारोबार की समाप्ति पर पिछले दिन के बंद स्तर के मुकाबले 284.01 अंक यानी 0.84 प्रतिशत बढ़कर 34,109.54 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का व्यापक आधार वाला निफ्टी भी 82.45 अंक यानी 0.83 प्रतिशत सुधर कर 10,061.55 अंक पर पहुंच गया। निफ्टी 11 मार्च 2020 के बाद पहली बार दस हजार अंक के ऊपर पहुंचा है। सूचकांक में शामिल शेयरों में महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा में सर्वाधिक 4.82 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इसके बाद कोटक महिन्द्रा बैंक, बजाज फाइनेंस, नेस्ले इंडिया, स्टेट बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और ओएनजीसी के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। इसके विपरीत एनटीपीसी, इंडसइंड बैंक, भारती एयरटेल, मारुति और हीरो मोटोकार्प गिरावट दर्ज करने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल रहे। इनमें 2.12 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई। विश्लेषकों का मानना है कि तेजड़ियों ने बाजार पर अपनी पकड़ बनाये रखी है। विदेशी कोषों का प्रवाह जारी रहने और वैश्विक बाजारों के सकारात्मक संकेतों से बाजार में तेजी का रुख जारी रहा। विश्लेषकों का कहना है कि दुनियाभर के देशों में अर्थव्यवस्थाओं में धीरे धीरे गतिविधियां फिर शुरू होने से बाजार में तजी की धारणा रही। कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों और अमेरिका- चीन के बीच तनाव की चिंता भी बाजार को रोकने में असफल रही। घरेलू बाजारों में विदेशी प्रवाह बढ़ने से भी तेजी का रुख रहा। अस्थाई आंकड़ों के मुताबिक मंगलवार को विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय बाजारों में 7,498.29 करोड़ रुपये के शेयरों की लिवाली की। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड में शोध उपाध्यक्ष अजित मिश्रा ने कहा, ''विभिन्न क्षेत्रों के सूचकांक में मिला जुला रुख रहा। धातु, बैंकिंग और पूंजीगत सामानों में सर्वाधिक बढ़त रही जबकि सूचना प्रौद्योगिकी और दूरसंचार जैसे क्षेत्र में गिरावट रही।'' इस बीच भारत की सेवा क्षेत्र की गतिविधियां मई माह में तेजी से घटीं हैं। कोरोनावायरस महामारी के कारण कारोबारी गतिविधियां प्रभावित हुईं। ग्राहक दुकानों और व्यावसायिक केन्द्रों से दूर रहे। इससे कारोबार के साथ ही रोजगार का भी नुकसान हुआ। बुधवार को जारी पीएमआई आंकड़ों में यह स्थिति देखी गई। हालांकि चीन में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां महामारी से पहले के स्तर पर पहुंच गई हैं। शंघाई, हांगकांग, टोक्यो और सिओल के बाजार दो प्रतिशत तक ऊंचे बंद हुये। यूरोप के बाजारों में शुरुआती कारोबार में सकारात्मक रुख दिखाई दिया। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ब्रेंट क्रूड तेल वायदा 1.04 प्रतिशत बढ़कर 39.98 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

मई में सोने का आयात 99% घटकर 1.4 टन हुआ

नई दिल्ली. मई माह में सोने के आयात में 99 फीसदी तक की गिरावट देखने को मिली है। इस साल मई में 1.4 टन सोने का आयात हुआ है। पिछले साल मई माह में 133.6 टन सोने का आयात किया गया था। सरकारी सोर्स के मुताबिक, लॉकडाउन के कारण देशभर में आभूषणों की दुकानों को बंद होने से आयात में कमी आई है। मूल्य के संदर्भ में देखें तो पिछले साल मई में आयात 4.78 अरब डॉलर से घटकर इस साल मई में 76.31 मिलियन डॉलर हो गया। उल्लेखनीय है कि दिल्ली के सोने के हाजिर बाजार दो माह से अधिक समय के अंतराल के बाद सोमवार से खुल गए हैं। सोने के हाजिर बाजार लॉकडाउन-1 को लागू किए जाने के समय से बंद थे। देश में 25 मार्च से लॉकडाउन लागू है। हालांकि, अब लॉकडाउन से जुड़ी शर्तों में काफी ढील दी गई है, जिसके बाद हाजिर बाजार खुले हैं।

PMI के नए आंकड़े जारी हुए, कोरोना के चलते मई में सेवा गतिविधियों में हुई तेज गिरावट

बिजनेस डेस्क: कोरोना वायरस महामारी के चलते पूरे भारत में सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में मई के दौरान तेजी से गिरावट हुई और उपभोक्ताओं की आवाजाही पर रोक के चलते मांग एकदम खत्म हो गई। आईएचएस मार्किट भारत सेवा कारोबार गतिविधि सूचकांक मई में 12.6 पर था। यह मासिक सर्वेक्षण बुधवार को जारी हुआ। सर्वेक्षण के मुताबिक सूचकांक हालांकि अप्रैल के अप्रत्याशित 5.4 से अधिक है लेकिन अभी भी कोरोना वायरस महामारी से पहले के स्तर के मुकाबले कम है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि सूचकांक का यह स्तर पूरे भारत में सेवा गतिविधि में अत्यधिक गिरावट की ओर संकेत करता है। आईएचएस मार्किट इंडिया सर्विसेज परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) के अनुसार 50 से अधिक अंक का अर्थ है गतिविधियों में विस्तार, जबकि इससे कम अंक कमी को दर्शाता है। आईएचएस मार्किट के अर्थशास्त्री जो हेयस ने कहा कि भारत में सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में अभी भी ठहराव है और नवीनतम पीएमआई आंकड़ों से पता चलता है कि मई में एक बार फिर उत्पादन में भारी गिरावट हुई है। इस बीच कमजोर मांग के चलते रोजगार में तेज गिरावट का सिलसिला भी जारी रहा।

सारेगामा, फेसबुक ने वैश्विक लाइसेंसिंग समझौता किया

नयी दिल्ली. सारेगामा ने बुधवार को कहा कि उसने फेसबुक के साथ एक वैश्विक समझौता किया है, जिसके तहत फेसबुक और इंस्टाग्राम पर उसके संगीत का इस्तेमाल वीडियो और अन्य अनुभवों के लिए किया जा सकेगा। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस साझेदारी के तहत उपयोगकर्ताओं को फेसबुक और इंस्टाग्राम पर वीडियो, स्टोरीज, स्टीकर और अन्य क्रियेटिव कंटेंट के लिए उसके संगीत का इस्तेमाल करने की अनुमति होगी। बयान में कहा गया कि यूजर अपने फेसबुक प्रोफाइल में भी गाने जोड़ सकते हैं।सारेगामा इंडिया के प्रबंध निदेशक विक्रम मेहरा ने कहा, ''अब फेसबुक के लाखों उपयोगकर्ता जो स्टोरीज और वीडियो बनाते हैं, उसमें वे हमारे विशाल संग्रह से संगीत जोड़ सकेंगे।'' सारेगामा के पास 25 से अधिक भाषाओं में फिल्मी गाने, भक्ति संगीत, गजल और इंडिपॉप सहित कई विभिन्न शैलियों के एक लाख से अधिक गाने हैं।

ये भारतीय ऐप कर रहा था चीनियों की छुट्टी, Google ने उठा लिया बड़ा कदम

नई दिल्ली. भारत-चीन के बीच चल रहे सीमा तनाव के बीच गूगल ने एक झटका दिया है. चीन के भारत में चल रहे विभिन्न **Apps** के खिलाफ तैयार एक मोबाइल ऐप को गूगल ने अपने प्ले स्टोर से हटा दिया है. बताते चलें कि गूगल प्ले स्टोर **(Google Play Store)** में 'रिमूव चाइना ऐप' को कुछ ही हफ्तों में 50 लाख से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका था. प्राप्त जानकारी के मुताबिक रिमूव चाइना ऐप 2 जून तक गूगल के प्ले स्टोर में मौजूद था. लेकिन आज सुबह से ही ये ऐप अब स्टोर से हटा दिया गया है. सीमा विवाद बढ़ने के बाद से ही भारत के विभिन्न सोशल मीडिया पर चीनी ऐप्स को हटाने की अपील की जा रही थी.

काफी लोकप्रिय हो रहा था ये ऐप

यह ऐप, देश में भारत-चीन सीमा पर बढ़ते तनाव और चीन के वुहान से फैलनी शुरू हुई कोविड-19 महामारी चलते आम जनजीवन को हो रहे नुकसान से पनप रही चीन विरोधी भावनाओं के बीच लोकप्रिय हो रहा था. 'रिमूव चाइना ऐप' **(Remove China App)** कुछ ही हफ्तों में इसे 50 लाख से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका है. पिछले महीने की 17 तारीख को जारी किये गए 'रिमूव चाइना ऐप' जरिये टिकटॉक **(TikTok)**, यूसी ब्राउजर **(UC Browser)** जैसे कथित चीनी ऐप को डिलीट किया जा सकता है. गूगल प्ले स्टोर पर इसे 1.89 लाख रिव्यू और 4.9 स्टार मिले हैं. ऐप को बनाने वाले 'वन टच ऐप लैब्स' का दावा है कि इसे शैक्षिक उद्देश्यों के लिये बनाया गया है ताकि किसी ऐप को बनाने वाले देश का पता लगाया जा सके. कंपनी की वेबसाइट के अनुसार वह जयपुर में स्थित है. डेवलपर्स व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए ऐप का उपयोग करने का इरादा नहीं रखते हैं.

सरकारी बैंकों ने आपातकालीन ऋण गारंटी योजना के तहत एमएसएमई को 3,893 करोड़ रुपये का कर्ज दिया

नयी दिल्ली. वित्त मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) ने कोरोना वायरस महामारी के चलते लागू लॉकडाउन से बुरी तरह प्रभावित एमएसएमई क्षेत्र को इस महीने के पहले दो दिन में तीन लाख करोड़ रुपये की आपातकालीन ऋण गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) के तहत 3,893 करोड़ रुपये का कर्ज दिया। इस बीच पीएसबी ने एक जून से 100 प्रतिशत ईसीएलजीएस के तहत 10,361.75 करोड़ रुपये के कर्ज को मंजूरी दी। यह योजना पिछले महीने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा घोषित 20 लाख करोड़ रुपये के आत्मनिर्भर भारत अभियान राहत पैकेज का सबसे बड़ा राजकोषीय घटक है। वित्त मंत्री निर्मला सीताराम ने एक ट्वीट में कहा, ''सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने 100 फीसदी आपातकालीन ऋण गारंटी योजना के तहत 10,361.75 करोड़ रुपये के ऋण को मंजूरी दे दी है। इसमें से 3,892.78 करोड़ रुपये पहले ही जारी किए जा चुके हैं।'' वित्तीय सेवा विभाग ने एक ट्वीट में कहा, ''सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत सरकार उनके विकास के लिए प्रतिबद्ध है।'' केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 21 मई को एमएसएमई क्षेत्र के लिए ईसीएलजीएस के माध्यम से 9.25 प्रतिशत की रियायती दर पर तीन लाख करोड़ रुपये तक के अतिरिक्त वित्त पोषण को मंजूरी दी थी।

सीआईआई के सम्मेलन में बोले गडकरी, चीन से निकलने वाले निवेशकों को दी जाएगी हर संभव सहायता

नयी दिल्ली।

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने चीन से अपना निवेश समेटकर भारत आने वाली कंपनियों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि जो कंपनियां भारत आना चाहती हैं उनके समक्ष केन्द्र और राज्यों के स्तर पर उठने वाले तमाम मुद्दों का समाधान किया जायेगा और अनुकूल कारोबारी माहौल उपलब्ध कराया जायेगा। मौजूदा परिवेश में चीन के खिलाफ बने माहौल को मंत्री ने ''संकट के रूप में संयोग'' बताते हुये कहा कि वह स्वयं ऐसे मामलों की निगरानी करेंगे और इस तरह के निवेशकों की जरूरतों को राज्यों के समक्ष उठायेंगे और दोस्ताना निवेश माहौल बनायेंगे। केन्द्रीय परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गडकरी ने कहा, ''मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि यदि आप इस तरह के दस प्रस्ताव लाते हैं तो मैं उनकी केन्द्र और राज्य के स्तर पर आने वाली समस्याओं के समाधान के लिये आगे रहूंगा।'' गडकरी यहां भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बड़े उद्योगों से आग्रह किया कि वह सूक्ष्म, लघु एवं मझोले (एमएसएमई) उद्योगों के बकाया भुगतान को 45 दिन के भीतर निपटान करें। हालांकि, उन्होंने इस मौके पर यह स्वीकार किया कि कई बड़ी कंपनियों का सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के पास बकाया फंसा हुआ है। प्रवासी श्रमिकों की कठिनाई से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुये गडकरी ने कहा, ''प्रवासी श्रमिकों को लेकर मीडिया और अन्य लोगों ने जो ऐसी धारणा बनाई है कि हमारे उद्योग शत प्रतिशत प्रवासी मजदूरों पर निर्भर है, लेकिन जब में इसके विस्तार में जाता हूं तो उसके बाद जो जानकारी मुझे मिलती है तो उसके मुताबिक यह केवल 10 से 20 प्रतिशत के दायरे में है।'' उन्होंने माना कि लोगों के मन में डर है जिसकी वजह से वे पटना और लखनऊ की तरफ जाने लगे। ज्यादातर प्रवासी श्रमिक बिहार और उत्तर प्रदेश से थे। उनमें से कुछ महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों और तेलंगाना तथा कुछ अन्य मध्य प्रदेश से भी रहे हैं।

एसबीआई चेयरमैन बोले- बैंक कर्ज देने को तैयार लेकिन ग्राहक जोखिम नहीं लेना चाहते

नई दिल्ली:

कोरोना संकट काल में लोगों तक नकदी पहुंचाने के लिए सरकार और रिजर्व बैंक की ओर से लोन बांटने पर जोर दिया जा रहा है। यही वजह है कि रिजर्व बैंक लगातार रेपो रेट में कटौती कर रहा है। सिर्फ लॉकडाउन में रिजर्व बैंक ने दो बार रेपो रेट में कटौती की है। वर्तमान में रेपो रेट 4 फीसदी पर है, जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। वहीं, बैंकों ने भी लोन लेने की प्रक्रिया को पहले के मुकाबले आसान बना दिया है। इन कोशिशों के बावजूद लोग कर्ज लेने को तैयार नहीं हैं। इस बात को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन रजनीश कुमार ने भी स्वीकार किया है। एसबीआई चेयरमैन रजनीश कुमार ने कहा कि बैंक कर्ज देने को तैयार हैं लेकिन ग्राहक कर्ज लेने के लिए आगे नहीं आ रहे हैं। इसके साथ ही रजनीश कुमार ने बैंक की जमा रिजर्व बैंक के पास रखने की आलोचनाओं पर भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, 'हमारे पास फंड है, लेकिन कर्ज की मांग नहीं है। ऐसे में बैंकों का पैसा रिजर्व बैंक के पास रखने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। जहां तक ग्राहकों की बात है तो वे अभी जोखिम नहीं लेना चाहते हैं।' आपको बता दें कि ये आलोचना होती रही है कि रिजर्व बैंक की ओर से रेपो रेट पर दी गई राहत को बैंक ग्राहकों तक सही तरीके से नहीं पहुंचा रहे हैं। बैंक अपने फंड को रिजर्व बैंक के पास जमा कर ज्यादा से ज्यादा मुनाफा लेना चाहते हैं।

इस मुनाफे को रिवर्स रेपो रेट कहा जाता है। हालांकि, हाल ही में आरबीआई ने रिवर्स रेपो रेट 4 फीसदी से घटाकर 3.75 फीसदी कर दिया है।

एसबीआई ने बचत खाते पर ब्याज फिर घटाया, ICICI ने भी सेविंग अकाउंट्स पर की कटौती

नई दिल्ली: स्टेट बैंक (एसबीआई) ने बचत बैंक खाते पर वार्षिक ब्याज दर 0.05 प्रतिशत घटाकर 2.70 प्रतिशत कर दी है। बैंक की वेबसाइट पर उपलब्ध सूचना के अनुसार संशोधित ब्याज दरें 31 मई से लागू हो गई हैं। बचत बैंक खाते के लिए बैंक के दो स्लैब एक लाख रुपए तक और एक लाख रुपए से अधिक है। अप्रैल में बैंक ने सभी स्लैब में बचत बैंक खाते पर ब्याज दर को 0.25 प्रतिशत घटाकर 2.75 प्रतिशत कर दिया था। इसके अलावा बैंक ने 27 मई को सभी परिपक्वता अवधि की खुदरा मियादी जमा दरों में 0.40 प्रतिशत तक की कटौती की थी। मई में यह बैंक द्वारा मियादी जमा यानी एफडी की ब्याज दरों में की गई दूसरी कटौती थी। एसबीआई की वेबसाइट के अनुसार सात दिन से 45 दिन की जमा पर ब्याज दर को 3.30 प्रतिशत से घटाकर 2.90 प्रतिशत किया गया है। इसी तरह 180 दिन से 210 दिन की जमा पर ब्याज दर 4.80 से घटाकर 4.40 प्रतिशत की गई है। पांच साल से दस साल की जमा पर ब्याज दर 5.70 से घटाकर 5.40 प्रतिशत की गई है। बैंक ने दो करोड़ रुपए या इससे अधिक की थोक जमा पर भी ब्याज दर में आधा प्रतिशत की कटौती की है।

नोकिया आइडिया ने डीएसआर प्रौद्योगिकी स्थापित करने का पहला चरण पूरा किया, मिलेंगी बेहतर सेवाएं

नयी दिल्ली.

दूरसंचार उपकरण बनाने वाली नोकिया और दूरसंचार सेवा प्रदाता कंपनी वोडाफोन आइडिया ने बुधवार को देश में पहले चरण के तहत 'डायनेमिक स्पेक्ट्रम रिफार्मिंग' (डीएसआर) प्राद्यौगिकी स्थापित करने का काम पूरा होने की घोषणा की। डीएसआर प्रौद्योगिकी से उपलब्ध स्पेक्ट्रम के बेहतर उपयोग से डेटा समेत ग्राहकों को बेहतर सेवा मिलती है। अनुबंध के तहत नोकिया ने आठ सर्किलों में 2500 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम बैंड में 5,500 टीडी-एलटीई 'मैसिव मिमो' (अत्याधुनिक 4 जी प्रौद्योगिकी) सेल लगाया है। ये आठ सर्किल (सेवा क्षेत्र) हैं... मुंबई, कोलकाता, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश (पूर्व), उत्तर प्रदेश (पश्चिम), बंगाल का शेष हिस्सा और आंध्र प्रदेश। 'मैसिव मिमो' स्पेक्ट्रम के अनुकूलतम उपयोग के साथ बेहतर सेवा उपलब्ध कराने में सक्षम है। वोडाफोन आइडिया के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी विशांत वोरा ने एक बयान में कहा, ''डीएसआर हमें अधिक नेटवर्क क्षमता और डेटा (इंटरनेट) की गति उपलब्ध कराता है, जिसके जरिये हम अपने ग्राहकों को बेहतर नेटवर्क सेवा दे पाएंगे। वोडाफोन आइडिया पहली कंपनी है, जो डीएसआर प्रौद्योगिकी का परीक्षण कर रही है।' इस प्रौद्योगिकी से वोडाफोन आइडिया 'ट्रैफिक्र' के हिसाब से विभिन्न प्रौद्योगिकी के तहत स्पेक्ट्रम साझा कर सकेंगी। वोरा ने कहा, ''हमने भारत में बड़ी संख्या में 'एम मिमो' लगाया है और 'एम मिमो' प्रौद्योगिकी में निवेश से कोविड-19 संकट के दौरान डेटा की बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिली है।'' डीएसआर और 'एम मिमो' के उपयोग से वोडाफोन आइडिया आसानी से 5जी प्रौद्योगिकी को भी अपना सकेगी। नोकिया के उपाध्यक्ष और भारत में कंपनी प्रमुख संजय मलिक ने कहा, ''ऐसे समय जब 'कनेक्टिविटी' महत्वपूर्ण है, डीएसआर और 'एम मिमो' की तैनाती से वोडाफोन आइडिया अपने ग्राहकों के नेटवर्क क्षमता को बढ़ा सकेगी।'' नोकिया के एमबिट इंडेक्स 2020 के अनुसार हाल के समय में देश में डेटा का उपयोग तेजी से बढ़ा है। पिछले चार साल में 'डेटा ट्रैफिक्र' 44 गुना बढ़ा है जो दुनिया में सर्वाधिक है।

विश्व बैंक ने बताया, कोरोना से होने वाले आर्थिक नुकसान कैसे किया जा सकता है कम

बिजनेस डेस्क:

विश्व बैंक ने सभी देशों से कहा है कि वे दीर्घावधि की वृद्धि को प्रोत्साहन देने के लिए वृहद नीतियां अपनाएं। इसके साथ ही विश्व बैंक ने कहा कि देशों को कोरोना वायरस संकट के बीच स्वास्थ्य से संबंधित आपात स्थिति से निपटने के लिए लघु अवधि के उपाय भी करने की जरूरत है। विश्व बैंक का यह बयान ऐसे समय आया है जबकि इस तरह के संकेत हैं कि 2020 में छह करोड़ लोग अत्यंत गरीबी में चले जाएंगे।

2020 में छह करोड़ लोग होंगे गरीब

विश्व बैंक समूह के अध्यक्ष डेविड मालपास ने कहा कि जिस तेजी से कोविड-19 महामारी और उसकी वजह से अर्थव्यवस्था को बंद किए जाने से दुनियाभर के गरीबों की बुरी हालत हुई है, वह आधुनिक समय के लिए बेहद असाधारण स्थिति है। मालपास ने अपने प्रमुख वैश्विक आर्थिक संभावा रिपोर्ट से विश्लेषण वाले अध्ययन जारी करने के मौके पर संवाददाताओं से कॉन्फ्रेंस कॉल में कहा, 'मौजूदा अनुमानों से पता चलता है कि 2020 में छह करोड़ लोग अत्यंत गरीब हो जाएंगे। हालांकि, इस अनुमान में और बढ़ोतरी की आशंका है।'

वैश्विक अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका

रिपोर्ट में कहा गया है कि कोरोना वायरस महामारी और अर्थव्यवस्था की बंदी से वैश्विक अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका लगा है, खासकर गरीब देशों को। इस स्वास्थ्य संकट का बुरा दौर बीतने के बाद अब विकासशील देशों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को समुदाय को अर्थव्यवस्था में सुधार की रफ्तार को तेज करने के लिए कदम उठाना चाहिए।

ऐसे कम कर सकते हैं नुकसान

मालपास ने कहा कि आज हमें जो नीतिगत विकल्प चुनना है उसमें निवेश को आकर्षित करने के लिए ऋण में अधिक पारदर्शिता, डिजिटल संपर्क में तेजी से आगे बढ़ना ओर गरीबों के लिए नकदी के सुरक्षा जाल का विस्तार करना शामिल है। इससे हम नुकसान को कम कर सकेंगे और अर्थव्यवस्था को मजबूती से उबार सकेंगे।

इंडिगो पर पड़ी कोरोना की मार, मार्च तिमाही में 871 करोड़ रुपए का घाटा

नई दिल्ली: कोरोना और देशव्यापी लॉकडाउन का असर अब कंपनियों के व्यापार पर भी दिखने लगा है। इसमें भी एयरलाइन्स कंपनियों को पिछले साल की तुलना में काफी घाटे की संभावना जताई जा रही है। फिलहाल इंडिगो एयरलाइन्स का स्वामित्व रखने वाली इंटरग्लोब एविएशन ने मंगलवार को कहा कि मार्च में समाप्त तिमाही के दौरान उसे 870.8 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है। देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो का परिचालन करने वाली वाली इंटरग्लोब एविएशन कंपनी को इससे एक साल पहले की समान अवधि में 595.8 करोड़ रुपए का कर पश्चात लाभ हुआ था। मार्च 2020 को समाप्त तिमाही के दौरान कंपनी की परिचालन आय बढ़कर 8,299.1 करोड़ रुपए हो गई। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि कोविड-19 महामारी के चलते लागू देशव्यापी लॉकडाउन के चलते विमान परिचालन बंद होने से उसकी आमदनी पर काफी असर पड़ा। कंपनी के मुताबिक वे इस वक्त 20 फीसदी सेवाएं ही शुरू कर पाई जिसे वो जल्दी 30 प्रतिशत तक कर देगी। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर लगे प्रतिबंध की वजह से कंपनी को काफी नुकसान हुआ है और इस तिमाही में भी उसे अधिक घाटे का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि उम्मीद की जा रही है कि सितम्बर से स्थिति फिर से सामान्य होने लगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जापान के पूर्व फुटबॉलर कानाजाकी कोरोना पॉजिटिव

टोक्यो। जापान के पूर्व अंतर्राष्ट्रीय फुटबालर मु कानाजाकी कोविड-19 टेस्ट में पॉजिटिव पाए गए हैं। कानाजाकी के क्लब नगोया ग्राम्पस ने यह जानकारी दी है।समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यह खबर जे-लीग के लिए एक बड़े झटके के रूप में सामने आई है जिसके बारे में पिछले सप्ताह ही फैसला लिया गया कि इसे चार जुलाई से फिर से शुरू किया जाएगा। मैच बिना दर्शकों के खाली स्टेडियम में होगा। नगोया क्लब ने कहा कि कानाजाकी के संक्रमित होने के बाद क्लब के स्टाफ अब घर से काम करेंगे। क्योडो समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, 31 वर्षीय कानाजाकी को शुक्रवार को ग्रुप में ट्रेनिंग करने के बाद बुखार हो गया था। इसके बाद सोमवार को उनका टेस्ट हुआ था, जोकि पॉजिटिव आया है। इस समय वह अस्पताल में भर्ती हैं।

डीन जोन्स का सुझाव- न्यूजीलैंड में कराया जा सकता है टी 20 विश्व कप

सिडनी।

क्रिकेटर से कमेंटेटर बने पूर्व आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डीन जोन्स का मानना है कि आस्ट्रेलिया में इस साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले आईसीसी टी 20 विश्व कप को न्यूजीलैंड में आयोजित कराया जा सकता है क्योंकि न्यूजीलैंड ने कोविड 19 पर सबसे बेहतर तरीके से नियंत्रण किया है और वहां हालात धीरे धीरे सामान्य की ओर बढ़ रहा है। न्यूजीलैंड में पिछले 12 दिनों में कोरोनावायरस के एक भी मामले सामने नहीं आए हैं और इस समय वहां केवल एक ही एक्टिव केस है। न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न ने एक वेबसाइट से कोरोना पर बात करते हुए कहा, अगले हफ्ते में न्यूजीलैंड संभवत: पहले स्तर में जा सकता है लेकिन यह सबकुछ इसके आने वाले केस पर निर्भर करेगा कि यह कितने कम आते हैं। अगर आने वाले दिनों में इसके मामले नहीं आते हैं तभी ऐसा होगा। जोन्स ने ट्वीट कर आस्ट्रेलिया की जगह न्यूजीलैंड में टी 20 विश्व कप कराने का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा, जेसिंडा अर्डर्न ने कहा कि न्यूजीलैंड अगले हफ्ते में पहले स्तर पर आ जाएगा, जिसका मतलब यह होगा कि सोशल डिस्टेंसिंग और लोगों की भीड़ जमा होने पर लगाया प्रतिबंध हटा लिया जाएगा। तो टी 20 विश्व कप वहां खेला जा सकता है। जोन्स ने पहले ही कह दिया है कि टी विश्व कप का आयोजन इस साल आस्ट्रेलिया में होने वाला नहीं है। टी-20 विश्व कप का आयोजन इस साल 18 अक्टूबर से 15 नवंबर तक ऑस्ट्रेलिया में होना है, लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण इसके आयोजन पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। जोंस ने स्पोर्ट्सस्क्रीन के यूट्यूब पेज पर कहा था, इस साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाला टी20 विश्व कप कई कारणों से नहीं हो रहा है। सबसे पहले, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बहुत सारे लोगों को रोके रखा है। इसलिए आपके पास जब 16 टीमें होंगी और हर टीम में खिलाड़ी, स्टाफ और प्रशासक सहित 30-40 लोग होंगे तो आप ऐसा नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से ऑस्ट्रेलिया में प्रतिबंध बहुत कड़े हैं और मेजबान देश भी विश्व कप की मेजबानी करके बहुत पैसा नहीं कमाएगा। जोंस ने कहा कि मेजबान देश पैसा कमाते थे, लेकिन अब इन नियमों में मेजबानी कर ऐसा संभव नहीं है। तो वो कहां से पैसा कमाएंगे?

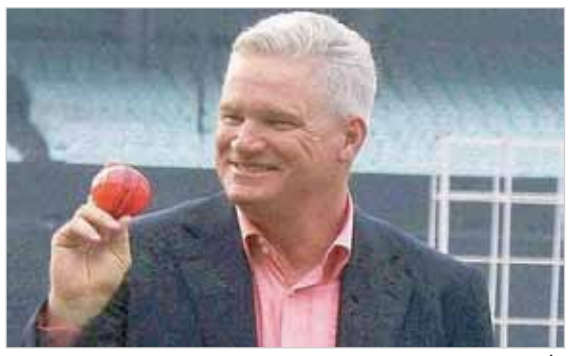

खेल रत्न के लिए नामांकित होकर सम्मानित महसूस कर रही हूं : रानी रामपाल

डिजिटल डेस्क,

बेंगलुरू। भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी रानी रामपाल ने बुधवार को कहा है कि वह राजीव गांधी खेल रत्न के लिए नामांकित होकर सम्मानित महसूस कर रही हैं। हॉकी इंडिया (एचआई) ने इस साल रानी का नाम खेल रत्न के लिए खेल मंत्रालय को भेजा है। पद्मश्री सम्मान पा चुकी रानी ने कहा, मैं प्रतिष्ठित राजीव गांधी खेल रत्न के लिए नामांकित होकर सम्मानित महसूस कर रही हूं। मैं इस बात से काफी खुश हूं कि हॉकी इंडिया ने इस सम्मान के लिए मेरा नाम नामांकित किया है। उनके लगातार समर्थन से मुझे और टीम को हमेशा अच्छा करने की प्रेरणा दी है। हॉकी इंडिया ने साथ ही वंदना कटारिया, मोनिका और हरमनप्रीत सिंह को अर्जुन अवार्ड के लिए नामांकित किया है। अपने साथियों को बधाई देते हुए रानी ने कहा, यह अच्छी बात है कि महिला टीम से दो खिलाड़ियों को अर्जुन अवार्ड के लिए नामांकित किया गया है। मैं वंदना और मोनिका को बधाई देती हूं।

मुझे लगता है कि दो खिलाड़ियों का नामांकित होना बताता है कि महिला टीम सही दिशा में जा रही है और यह सिर्फ हमें विश्व स्तर पर अच्छा करने के लिए प्रेरित करेगी।

नेशनल स्पोर्टस अवार्ड की अंतिम तारीख 22 जून तक बढ़ी

नई दिल्ली। खेल मंत्री ने राष्ट्रीय खेल पुरस्कार के लिए नामांकन की तारीख को 22 जून तक के लिए बढ़ा दिया है। इसके अलावा मंत्रालय ने लॉकडाउन के चलते होने वाली परेशानी के कारण खिलाड़ियों को अपना नामांकन खुद दाखिल करने की मंजूरी दे दी है। इससे पहले, बुधवार यानी तीन जून नामाकंन दाखिल करने की आखिरी तारीख थी, लेकिन अब इसे बढ़ा दिया गया है। मंत्रालय ने कहा, केंद्रीय नेतृत्व की मंजूरी मिलने के बाद हमने अधिकारियों और व्यक्तियों की अनुशंसा पर भेजे गए आवेदनों को ही जमा करने के नियम को खत्म कर दिया है। इसलिए खिलाड़ी अब स्वयं आवेदन दे सकते हैं वो भी बिना किसी अधिकारी या व्यक्ति की सिफारिश के बिना, इसलिए इस हिस्से को फॉर्म में से हटा दिया गया है। खेल पुरस्कार की नामांकन प्रक्रिया मुख्य तौर पर अप्रैल में शुरू होती है लेकिन कोरोनावायरस के कारण इसमें देरी हो गई। यह पहली बार है जब मंत्रालय ने नामांकन ई-मेल के लिए जरिए मांगे हों।

कोहली से अलग-अलग स्थितियों को संभालना सीखा : कुलदीप

नई दिल्ली।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली को सीमित ओवरों के मैच में जब भी विकेट की दरकार होती है वह चाइनामैन कुलदीप यादव को याद करते हैं और यह गेंदबाज अपने कप्तान को निराश नहीं करता है। कुलदीप ने कहा है कि उन्होंने अपने कप्तान से दबाव को संभालना सीखा है। कुलदीप ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि उन्होंने अपने कप्तान से क्या-क्या सीखा। कुलदीप से जब पूछा गया कि इस दौर की क्रिकेट में जहां स्पिनरों पर रन बनाना आसान समझा जाता है, ऐसे में वह विकेट लेने का दबाव कैसे झेलते हैं? कुलदीप ने कहा कि कप्तान जो आत्मविश्वास दिखाता है वो काफी मददगार साबित होता है। उन्होंने कहा कि जब दबाव झेलने की बात आती है तो वह अपने कप्तान से काफी कुछ सीखते हैं। उन्होंने कहा, अगर आपका कप्तान आपमें विश्वास करता है तो आपका मैदान पर सर्वश्रेष्ठ देना आसान हो जाता है। विराट से हमने काफी कुछ सीखा है कि मुश्किल स्थितियों से कैसे निपटना है। वह अपने खिलाड़ियों को प्रेरित करना नहीं भूलते। अभी भी, वह हमेशा मेरे साथ हैं। वह हमेशा आपकी योग्यताओं को सराहते हैं और हमारे बीच अच्छी ट्यूनिंग है। विराट की सबसे अच्छी बात यह है कि वह टीम और उसके खिलाड़ियों को समझते हैं जिससे मैदान पर आपका काम आसान हो जाता है। क्रिकेटर अपना अधिकतर समय मैदान पर बिताते हैं लेकिन कोरोनावायरस के कारण बीते कुछ महीने घरों में ही रहे हैं। क्या यह खिलाड़ी के लिए मुश्किल है? इस पर कुलदीप ने कहा कि उन्होंने इस दौरान अपने परिवार के साथ अच्छा समय बिताया है। उन्होंने कहा, लॉकडाउन काफी लोगों के लिए मुश्किल रहा है, लेकिन मुझे आराम करने का समय मिल गया और मेरा शरीर भी चोटों से ठीक हो गया है। मैंने अपने परिवार के साथ अच्छा-खासा समय बिताया, लेकिन साथ ही इस समय फिटनेस को बनाए रखना चुनौतीपूर्ण रहा। शुरुआत में यह काफी मुश्किल था, लेकिन धीरे-धीरे चीजें अपने आप सही होने लगीं। बाएं हाथ के स्पिनर ने कहा, मैंने अपने लिए एक कार्यक्रम बनाया था और मैं उसी पर काम कर रहा हूं। मैं बीसीसीआई ट्रेनर्स के भी लगातार टच में हूं। मैं खाने का शौकीन हूं और मुझे एक ही परेशानी आती थी वो थी डाइट प्लान का पालन करना क्योंकि वर्कआउट उतना मुश्किल नहीं होता है। इसलिए डाइट का पालन करना काफी अहम है।

संक्षिप्त समाचार

एफआईएच ने जारी किया 2022-23 विश्व कप का क्वालीफिकेशन का कार्यक्रम

लुसाने। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) ने 2022-23 महिला एवं पुरुष विश्व कप के लिए नई क्वालीफिकेशन प्रक्रिया जारी की है। नई प्रक्रिया के मुताबिक पांच महद्वीपीय चैम्पियनशिप में से अब 11 जगह विश्व कप के लिए होंगी। इससे पहले इनमें से छह जगह ही विश्व कप के लिए दी जाती थी और बाकी के पांच स्थान मार्च-2022 में होने वाले एफआईएच क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट में से पक्के किए जाएंगे। महाद्वीप कोटा से यूरोप को सबसे ज्यादा फायदा होगा क्योंकि दो विश्व कप में से चार जगह उसे मिलेंगी। नीदरलैंड्स और स्पेन को महिला टूर्नामेंट की मेजबानी करनी है और इसलिए इन दोनों का स्थान पक्का है। एशिया को महिला विश्व कप में दो स्थान मिले हैं और पुरुष विश्व कप के लिए तीन क्योंकि भारत एक विश्व कप की मेजबानी करेगा। दोनों विश्व कप में अफ्रीका को एक-एक स्थान मिला है। मेजबान के अलावा अन्य महाद्वीप कोटा 2021 की कॉन्टीनेंटल चैम्पियनशिप की रैंकिंग पर निर्भर करेंगे।

जितना हो सकता है उतना खेलना चाहता हूं : जेम्स फॉल्कनर

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के हरफनमौला खिलाड़ी जेम्स फॉल्कनर ने कहा है कि अनुबंध न मिलने के बाद भी वह तस्मानिया की राज्य टीम में जगह बनाने की कोशिश करेंगे। आस्ट्रेलिया की 2015 विश्व कप जीत का हिस्सा रहे फॉल्कनर को 2020-21 सीजन के लिए अनुबंध सूची में शामिल नहीं किया गया है। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू ने फॉल्कनर के हवाले से लिखा, मैं अभी भी खेलने के लिए उपलब्ध हूं। मैं अभी ट्रेनिंग कर रहा हूं। मैं अभी भी जूम कॉल पर टीम के साथ हूं और टीम के साथ चैट्स कर रहा हूं। उन्होंने कहा, जाहिर सी बात है कि मैं जितना हो सके उतना खेलना चाहता हूं। बाएं हाथ के इस गेंदबाज ने कहा, पूरे सीजन के दौरान मैं ग्रीफ्फो (तस्मानिया के मुख्य हाईपरफॉर्मेंस एडम ग्रिफ्फित) और कप्तान मैथ्यू वेड से बात कर रहा हूं कि मैं क्या कर सकता हूं, मैं अनुबंधित खिलाड़ियों में नहीं हूं लेकिन अभी भी खेल सकता हूं इसको लेकर क्या प्लान होगा।उन्होंने कहा, इससे उन्हें किसी और को अनुबंधित करने का मौका मिलेगा जिससे टीम में गहराई आएगी।

प्रणॉय ने अर्जुन अवार्ड नामांकन को लेकर बीएआई को लताड़ा

नई दिल्ली।

भारतीय टीम के स्टार पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी एच.एस. प्रणॉय ने अर्जुन अवार्ड के पैमानों पर सावल उठाए हैं और कहा है कि जिन लोगों ने कुछ भी हासिल नहीं किया उन्हें भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) ने राष्ट्रीय अवार्ड के लिए नामांकित किया है। प्रणॉय ने कहा कि जिन लोगों ने राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई चैम्पियनशिप में पदक जीते उन्हें बीएआई ने नजरअंदाज किया। बीएआई ने मंगलवार को सात्विकसाइराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी के अलावा समीर वर्मा को अर्जुन अवार्ड के लिए नामांकित किया। इस पर प्रणॉय ने ट्वीट करते हुए लिखा, वही पुरानी कहानी। जिन लोगों ने राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई चैम्पियनशिप में पदक जीते उन्हें संघ द्वारा नामांकित नहीं किया गया। जो खिलाड़ी इन टूर्नामेंट्स में था भी नहीं उसे नामांकित किया गया। वाह। यह देश मजाक है। प्रणॉय ने 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण जीता था। इसके अलावा 2018 एशियाई चैम्पियनशिप में पुरुष एकल वर्ग में कांस्य पदक जीता था। उन्हें पारूपल्ली कश्यप का भी साथ मिला। कश्यप ने प्रणॉय के ट्वीट पर रिप्लाई दिया, अवार्ड के लिए अपील करने का सिस्टम कभी समझ में नहीं आया। मुझे उम्मीद है कि यह बदलेगा। मजबूत रहो भाई। रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने बीते दो साल में मिलकर शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने पिछले साल थाईलैंड ओपन का खिताब अपने नाम किया था और फ्रेंच ओपन में उप-विजेता रहे थे। साथ ही चीन ओपन सुपर 750 के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। वहीं समीर ने 2018 में तीन खिताब अपने नाम किए और विश्व रैंकिंग में 11वां स्थान हासिल किया। उनके शानदार प्रदर्शन से वह 2018 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स में जगह बनाने में सफल रहे थे।

बीएआई ने भास्कर बाबु और एस. मुरलीधरन को द्रोणाचार्य अवार्ड के लिए नामांकित किया है।

वेस्टइंडीज के 3 खिलाड़ियों का इंग्लैंड दौरे पर जाने से इनकार

लंदन।

वेस्टइंडीज क्रिकेट टीम के तीन खिलाड़ियों ने इंग्लैंड दौरे पर जाने से इनकार कर दिया है। वेस्टइंडीज को इंग्लैंड दौरे पर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। इंग्लैंड और वेस्टइंडीज की टीमें जुलाई में तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेंगी, हालांकि यह सीरीज ब्रिटेन सरकार द्वारा खाली स्टेडियम में बिना दर्शकों के खेलने की मंजूरी मिलने पर निर्भर है। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, वेस्टइंडीज के तीन खिलाड़ियों ने कोरोनावायरस डर के कारण अगले महीने इंग्लैंड में खेली जाने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में भाग लेने से इनकार कर दिया है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के अनुसार, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज आठ जुलाई से शुरू होगी। पहला मैच हैंपशयर के एजेस बाउल पर खेला जाएगा, जबकि दूसरा और तीसरा मैच ओल्ड ट्रेफर्ड मैदान पर खेला जाएगा। ईसीबी की वेबसाइट पर जारी बयान के मुताबिक, इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने आज (बुधवार को) एलान किया है कि अगर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी होती है तो हैम्पशायर का एजेल्स बाउल और लंकाशायर का अमीरात ओल्ड ट्रेफर्ड स्टेडियम जुलाई में बिना दर्शकों के वेस्टइंडीज के साथ होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की मेजबानी करेंगे। बयान के मुताबिक, वेस्टइंडीज की टीम नौ जून को इंग्लैंड आएगी और ओल्ड ट्रेफर्ड जाएगी। वहां क्वारंटीन होगी और ट्रेनिंग करेगी। यह उनका तीन सप्ताह का निवास होगा इसके बाद वो पहले टेस्ट के लिए एजेस बाउल जाएंगे। यह दोनों स्टेडियम इसलिए चुने गए हैं क्योंकि इन्हें स्थल पर ही होटल होने के कारण बॉयो सिक्योर माना जाता है।

अमेरिका में पुलिस के प्रति भय, अविश्वास है : ओनूहा

लंदन । मेजर सॉकर लीग (एमएलएस) फुटबालर नेदम ओनूहा ने कहा है कि वह अमेरिका में 100 फीसदी सुरक्षित महसूस नहीं करते हैं और पुलिस के प्रति उनके अंदर अविश्वास है। ओनूहा का यह बयान अमेरिका में पुलिस हिरासत में मारे गए अश्वेत नागरिक जॉर्ज फ्लॉयड की मौत को लेकर है, जिसके कारण पूरे अमेरिका में विरोध प्रदर्शन जारी है। एमएलएस में रियल साल्ट लेक के लिए खेलने वाले ओनूहा ने बीबीसी से कहा, मैं हमेशा इस बात को लेकर सतर्क रहता हूं कि मैं कैसा व्यवहार करता हूं और वे लोग इसे कैसे देखते हैं, जिनके पास पॉवर है। व्यक्तिगत रूप से, कुल मिलाकर मुझे यह कहना पसंद नहीं है। लेकिन पुलिस के प्रति मेरे अंदर एक भय और अविश्वास है। 46 वर्षीय फ्लॉयड की पिछले सप्ताह अमेरिका के मिनियापोलिस शहर में पुलिस हिरासत के दौरान मौत हो गई थी। डेरेक चोविन नाम का श्वेत पुलिस अधिकारी जॉर्ज के गले पर अपने घुटनों के बल बैठा था और जॉर्ज बार-बार कह रहा था, मैं सांस नहीं ले पा रहा हूं। ओनूहा ने कहा, लोग आवाज उठा रहे हैं। मैं चीजों को कहने की कोशिश कर रहा हूं, लेकिन यह बहुत लंबे समय के लिए दूर हो जाता है। बस इतना काफी है। ये जो विरोध हो रहा है, वह सिर्फ अश्वेत लोगों को लेकर नहीं है।

फिटनेस स्तर थोड़ा गिरा है, धीरे-धीरे सुधार होगा : नीरज

नई दिल्ली । भारत के पुरुष भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा पहले जो ट्रेनिंग किया करते थे और अब जो कर रहे हैं उसमें अंतर है। हालांकि भले ही इस समय उनके हाथ में भाला नहीं है लेकिन वह मैदान पर आकर खुश हैं। नीरज ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि वह मैदान पर लौटकर काफी खुश हैं। उनसे जब पूछा गया कि जब उन्हें बाहर ट्रेनिंग शुरू करने के बारे में पता चला तो उनकी प्रतिक्रिया क्या थी। इस पर नीरज ने कहा, 'यह निश्चित तौर पर काफी खुशी की बात है। इसी कारण हम कैम्प में हैं ट्रेनिंग करने के लिए। इसलिए जब इसका विकल्प नहीं था तो ज्यादा कुछ करने को था नहीं। अब हम पहले जिस तरह से ट्रेनिंग करते थे उसी रास्ते पर वापस लौट रहे हैं।'उन्होंने कहा, 'खिलाड़ी के लिए ट्रेनिंग से ज्यादा दूर रहना अच्छा नहीं रहता है। बीते दो महीने से मैं अपनी फिटनेस को बनाए रखने के लिए कुछ एक्सरसाइज कर रहा था, लेकिन भाले के बिना कुछ नहीं कर सकता था। अब उम्मीद है कि हम हमारे रूटीन पर वापस लौटेंगे।' नीरज इस समय अभी राष्ट्रीय खेल संस्था (एआईएस) पटियाला में हैं। वह कुछ और खिलाड़ियों के साथ मार्च के मध्य में यहां आए थे और क्वारंटीन हुए थे। 25 मार्च से केंद्र सरकार द्वारा पूरे देश में लॉकडाउन लगा दिया गया था और तब से नीरज यहीं हैं। एनआईएस में सोमवार से बाहर ट्रेनिंग करने की इजाजत दे दी गई है लेकिन खिलाड़ी अपने उपकरणों का इस्तेमाल नहीं कर सकते। नीरज हालांकि इससे ज्यादा परेशान नहीं हैं क्योंकि उनका ध्यान इस समय अपनी पूरी स्ट्रेंथ हासिल करने पर है। उन्होंने कहा, 'ट्रेनिंग सुबह 6:30 से शुरू होती है। अभी हम दो घंटे के लिए अभ्यास कर रहे हैं। धीरे-धीरे हम ज्यादा अभ्यास करना शुरू करेंगे।' कोहनी की चोट के बाद कुछ और चोटों के कारण नीरज 2019 में पूरी तरह से बाहर रहे थे। उन्होंने आखिरी टूर्नामेंट 2018 एशियाई खेल के तौर पर खेला था। इसी साल जनवरी में वह टोक्यो ओलम्पिक के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहे थे। नीरज ने कहा कि वह और उनके कोच ब्रेक के बाद दोबारा आने को लेकर ज्यादा चिंतित नहीं है। उन्होंने कहा, 'नहीं यह मुद्दा नहीं है। मैंने अपनी रिकवरी पूरी कर ली है और कुछ और टूर्नामेंट्स में हिस्सा भी लिया है। इसलिए चोट के वापस आने का कोई डर नहीं है।'

जॉर्ज फ्लॉयड के निधन पर बोलने वाले खिलाड़ियों का सम्मान करती है आईओसी

बीजिंग। अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) जॉर्ज फ्लॉयड की मौत पर बोलने वाले खिलाड़ियों के विचारों का सम्मान करती है। आईओसी के प्रवक्ता ने इस बात की जानकारी दी। अमेरिका में पुलिस हिरासत में हुए फ्लॉयड नाम के अश्वेत शख्स की मौत के बाद कई खिलाड़ियों ने अपनी आवाज उठाई है और नस्लभेद के खिलाफ शुरू हुए ब्लैक लाइव्स मैटर (अश्वेत लोगों की जिंदगी मायने रखती है) मूवमेंट को अपना समर्थन दिया है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने आईओसी के प्रवक्ता के हवाले से लिखा है, आईओसी पूरी तरह से खिलाड़ियों के सोशल मीडिया और मीडिया में अपनी बात रखने का सम्मान करती है। यह उनका निजी अधिकार है। यह ऐसा अधिकार है जिसका हम पूरी तरह से समर्थन करते हैं। अमेरिका ओलम्पिक समिति और पैरालम्पिक समिति ने भी इस मुद्दे के साथ संवेदना जाहिर की ही। प्रवक्ता ने कहा, आईओसी खेल के माध्यम से पूरे विश्व को एक साथ लाने के मिशन को जारी रखेगी। फ्लॉयड की मौत के कारण पूरे अमेरिका में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और दुनिया भर से इस मुद्दे को समर्थन मिल रहा है। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान डैरेन सैमी और क्रिस गेल ने भी फ्लॉयड के निधन पर अपनी नाराजगी जाहिर की है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार-समाचार

झारखंड में कोरोना पीड़ित की संख्या पहुंची 726, महामारी से 320 लोगों ने जीती जंग

झारखंड स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, राजधानी रांची में सबसे अधिक कोरोना के मामले सामने आए हैं. यहां 138 पॉजिटिव मरीज मिले हैं, जिसमें से 113 ठीक हो चुके हैं और दो की मौत हुई है

रांची. झारखंड में कोरोना वायरस (Coronavirus) से संक्रमित मरीजों की संख्या 726 पहुंच गई है. वहीं, 320 कोरोना वायरस से पीड़ित लोग अब तक ठीक हो चुके हैं. अब राज्य में एक्टिव केस की संख्या 401 है और कुल 5 कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की अभी तक मौत हुई है.

झारखंड स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, राजधानी रांची में सबसे अधिक कोरोना के मामले सामने आए हैं. यहां 138 पॉजिटिव मरीज मिले हैं, जिसमें से 113 ठीक हो चुके हैं और दो की मौत हुई है. वहीं, बोकारो में 23 में से 14 मरीज ठीक हुए हैं और एक की मौत हो चुकी है.

हजारीबाग में 82 कोरोना संक्रमित में से 42, धनबाद में 70 में से 10 मरीज ठीक हुए हैं. वहीं, गिरिडीह में 21 में से 11 मरीज ठीक हुए हैं और 1 की मौत हुई है. सिमडेगा में 16 में से 2 कोरोना संक्रमित, कोडरमा में 45 में से 29 ठीक हुए और 1 की मौत हुई है.

देवघर में 5 में से 5, पलामू में 19 में से 16, गढ़वा में 62 में से 48, गोड्डा में 1, जामताड़ा में 2, दुमका में 4 में से 2, पूर्वी सिंहभूम में 122 में से 8, लातेहार में 10 में से 7, लोहरदगा में 6 में से 2, रामगढ़ में 44 में से 5, पश्चिमी सिंहभूम में 15 में से 2, चतरा में 1 कोरोना संक्रमित मरीज रिकवर हुआ है.

वहीं, गुमला में 22, पाकुड़, सरायकेला व खूंटी में 5-5 और साहेबगंज में 3 कोरोना वायरस पॉजिटिव मरीज मिले हैं. बता दें कि, राज्य के सभी 24 जिले में कोरोना वायरस का संक्रमण फैल चुका है.

MP: इस क्षेत्र के 4500 लोगों ने किया विधानसभा उपचुनाव का विरोध, जानें क्या है वजह

ग्वालियर. मध्य प्रदेश में 24 सीटों पर विधानसभा के उपचुनाव होने हैं. जिसे लेकर राजनीतिक दल जनता को लुभाने की कवायद में जुट गए हैं. वहीं ग्वालियर के महाराजपुरा इलाके में रहने वाले तकरीबन 4500 लोगों ने उपचुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग ना करने का ऐलान किया है. इसके लिए बाकायदा उन्होंने अपने घरों के बाहर पोस्टर भी चिपका दिए हैं.

दरअसल लगभग 10 साल पहले महाराजपुरा इलाके में आस्था नगर, आश्रय ग्रीन सिटी, गोकुलधाम आदि कॉलोनी बसी थी लेकिन कॉलोनियों में अब तक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं है, यहां के लोगों ने कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों अधिकारियों को लिखित में आवेदन दिए और सुविधाएं देने की बात कही.लेकिन हालात अब भी बदतर हैं, बिजली के तार खुले में होने के चलते अब तक इस इलाके में तीन लोगों की करंट लगने से मौत भी हो चुकी है.

यह वह इलाका है जहां पर अधिकांश फोर्स के कर्मचारियों के परिवार रहते हैं कुछ लोग तो रिटायर होकर घर आ गए लेकिन अधिकांश लोग अभी सीमा पर नौकरी कर रहे हैं और उनका परिवार यहां निवासरत है, ऐसे में उनके परिवार वालों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है.

महाराजपुरा इलाके में आने वाले समय में उपचुनाव होने हैं इसको लेकर स्थानीय लोगों ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है. उनका कहना है कि जनप्रतिनिधि आते हैं, लेकिन उनकी समस्या का कोई हल नहीं निकला. इसीलिए उपचुनाव में हम मताधिकार का इस्तेमाल नहीं करेंगे.

उत्तराखंड: क्वारंटाइन सेंटर्स के मुद्दे पर हाईकोर्ट की फटकार के बाद कांग्रेस ने भी सरकार को घेरा

हाईकोर्ट के दिशा निर्देश के बाद अब कांग्रेस ने भी आक्रामक रुख अख्तियार करते हुए प्रदेश के क्वारंटाइन सेंटर्स में अव्यवस्था का मुद्दा उठाया है. कांग्रेस नेताओं का कहना है कि राज्य के क्वारंटाइन सेंटर्स में भारी अव्यवस्था का आलम है. राज्य सरकार ने ग्राम प्रधानों को इसकी जिम्मेदारी दे दी, लेकिन उनके खातों में पैसे नहीं डाले गए.

देहरादून. उत्तराखंड में कोरोना वायरस का संक्रमण भी सियासी तापमान को बढ़ाने की वजह बन गया है. कभी कैबिनेट मंत्री की कोरोना रिपोर्ट मुद्दा बन जाती है तो कभी प्रदेश में क्वारंटाइन सेंटर्स को लेकर सरकार की नीति. इस बार विपक्षी दल कांग्रेस ने सरकार को क्वारंटाइन सेंटर्स का जिम्मा ग्राम प्रधानों को दिए जाने के मुद्दे पर घेरा है. कांग्रेस ने हाईकोर्ट की ओर से राज्य सरकार को लगाई गई फटकार पर अपनी प्रतिक्रिया दी है और कहा है कि वे पहले ही क्वारंटाइन सेंटर्स की अव्यवस्था का मुद्दा उठाते रहे हैं.

कांग्रेस ने राज्य सरकार पर लगाया आरोप प्रदेश में क्वारंटाइन सेंटर की व्यवस्था और प्रधानों को धन आवंटित किए जाने के मुद्दे पर कांग्रेस अब राज्य सरकार पर हमले तेज कर रही है. हाईकोर्ट के दिशा निर्देश के बाद अब कांग्रेस ने भी आक्रामक रुख अख्तियार करते हुए प्रदेश के क्वारंटाइन सेंटर्स में

अव्यवस्था का मुद्दा उठाया है. कांग्रेस नेताओं का कहना है कि राज्य के क्वारंटाइन सेंटर्स में भारी अव्यवस्था का आलम है. राज्य सरकार ने ग्राम प्रधानों को इसकी जिम्मेदारी दे दी, लेकिन उनके खातों में पैसे नहीं डाले गए. कांग्रेस नेताओं ने कहा कि उनके सवालों पर कोर्ट ने भी मुहर लगाई. कांग्रेस नेता जोत सिंह बिष्ट का कहना है कि क्वारंटीन सेंटर में रहने और खाने की व्यवस्था का बुरा हालत है तो सूर्यकांत धस्माना का कहना है कि राज्य के अलग-अलग क्वारंटाइ सेंटर्स से बदहाली की लगातार शिकायतें आ रही हैं.

BJP ने किया पलटवार कांग्रेस के आरोपों पर बीजेपी ने पलटवार किया है. सरकार में दर्जाधारी वीरेंद्र सिंह बिष्ट का कहना है कि कांग्रेस का कभी भी रचनात्मक सहयोग नहीं रहा है. वो राज्य में अफरा-तफरी का माहौल पैदा करना चाहती है.

वीरेंद्र बिष्ट का कहना है कि न्यायालय का जो भी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ है, उसका अध्ययन किया जाएगा और उसे अमल में लाया जाएगा. उन्होंने कहा कि सरकार क्वारंटाइन सेंटर्स के हालात की समीक्षा कर रही है और जहां भी कमी नजर आ रही है, उसे पूरा किया जा रहा है.

कोरोना से जंग के लिए युद्धस्तर पर यूपी सरकार की तैयारी, घरों तक पहुंचीं मेडिकल टीमें

उत्तर प्रदेश में लॉकडाउन में मिली ढील के बाद कोरोना के केसेज बढ़ने की आशंका है. ऐसे में सरकार युद्धस्तर पर इससे निपटने की तैयारी कर रही है. टीम-11 की समीक्षा बैठक में सीएम योगी खुद इसकी जानकारी ले रही हैं. यूपी में अब तक 4 करोड़ 85 हजार 700 से ज्यादा लोगों की मेडिकल स्क्रिनिंग हो चुकी है.

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में लॉकडाउन में मिली ढील के बाद कोरोना के केसेज बढ़ने की आशंका है. ऐसे में सरकार युद्धस्तर पर इससे निपटने की तैयारी कर रही है. टीम-11 की समीक्षा बैठक में सीएम योगी खुद इसकी जानकारी ले रही हैं. यूपी में अब तक 4 करोड़ 85 हजार 700 से ज्यादा लोगों की मेडिकल स्क्रिनिंग हो चुकी है. जबकि 78 लाख 86 हजार 400 से अधिक घरों तक जांच के लिए मेडिकल टीमें पहुंचीं हैं.

ग्रामीण इलाकों तक स्क्रीनिंग के लिए झोंकी ताकत सीएम योगी के निर्देश पर स्वास्थ्य महकमे की एक लाख मेडिकल टीमें दिन रात स्क्रीनिंग कर रही हैं. ग्रामीण इलाकों में मदद मेडिकल टीमों की मदद के लिए आशा बहुओं की भी टीमें लगाई गई हैं. प्रदेश में हर कोरोना संदिग्ध की सूचना देने, उनकी जांच कराने व उन पर नजर रखने के लिए सीएम योगी ने ग्राम पंचायतों और वार्डों में निगरानी समितियां बनाई हैं.

COVID अस्तपालों के लिए 1 लाख से ज्यादा बेड

प्रदेश में कोविड (COVID) अस्पतालों में अब कोरोना मरीजों के लिए 1 लाख 1,236 बेड उपलब्ध हैं. प्रदेश में लेवल-1 के 403 अस्पतालों में 72934 बेड हैं, लेवल-2 के 75 अस्पतालों में 16212 बेड उपलब्ध हैं. लेवल-3 के 25 अस्पतालों में 12090 बेड हैं और सिर्फ कोरोना मरीजों के लिए 2000 से ज्यादा वेंटिलेटर्स की व्यवस्था की गई है.

लोगों की बढ़ती तादाद के साथ जांच का दायरा भी बढ़ा

अब तक यूपी में 30 लाख से अधिक प्रवासी कामगार और श्रमिक पहुंचे हैं. यूपी में जांच का दायरा भी तेजी से बढ़ा है. अब तक 3 लाख लोगों की जांच हो चुकी है. हर दिन 10 हजार लोगों की कोरोना जांच हो रही है. 15 जून तक हर दिन 15 हजार टेस्ट होने लगेंगे जबकि 30 जून तक 20 हजार टेस्ट प्रतिदिन का लक्ष्य रखा गया है.

प्रवासी श्रमिकों की मेडिकल स्क्रीनिंग क्वारंटाइन सेंटर्स में

15 लाख क्षमता के क्वारंटीन सेंटर्स में प्रवासी श्रमिक और कामगार की मेडिकल स्क्रीनिंग होती है. उन्हें भोजन और आवासीय सुविधा भी दी जाती है. मेडिकल स्क्रीनिंग में जो स्वस्थ श्रमिक मिले, उन्हें राशन पैकेट के साथ होम क्वारंटीन में भेजा गया. जो अस्वस्थ थे, उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

दिल्ली में अपराधियों के हौसले बुलंद, घर के बाहर शख्स को मारी गोली, मौत

नई दिल्ली. देश की राजधानी दिल्ली (Delhi) में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं. दिल्ली के विनोद नगर इलाके में राहुल नागर उर्फ भुरू नाम के बदमाश का मर्डर कर दिया गया. हत्यारों ने आज बुधवार की सुबह राहुल के घर के बाहर ही उसको 5 गोलियां मारकर फरार हो गए. गोली लगने के बाद राहुल को दिल्ली के मैक्स पटपड़गंज हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. मृतक राहुल के शरीर पर गोलियों के 4 निशान हैं.

सुबह करीब साढ़े 7 बजे दिल्ली पुलिस (Delhi Police) पुलिस की पीसीआर को फोन पर सूचना मिली कि मंडावली पुलिस स्टेशन के इलाके में पार्क के पास एक शख्स की गोली मारकर हत्या कर दी गई है. जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस ने हत्या का केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है. बता दें कि मृतक विनोद नगर वार्ड में एनसीपी से निगम पार्षद का चुनाव भी लड़ चुका है. पिछले चुनाव में बीजेपी प्रत्याशी का नामांकन रद्द हो गया था, जिसके बाद बीजेपी ने राहुल का समर्थन किया था.

JDU सांसद ने उठाया जींस का मुद्दा, तो RJD बोली-जनता तेजस्वी में देख रही लालू की छवि

जेडीयू (JDU) नेता और सांसद ललन सिंह के जींस वाले बयान पर बिहार में सियासत तेज हो गई है. आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा है कि, पटना के गांधी मैदान से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (Narendra Modi) ने ही डीएनए (DNA) का सवाल उठाया था.

पटना. जेडीयू (JDU) नेता और सांसद ललन सिंह के जींस वाले बयान पर बिहार में सियासत तेज हो गई है. आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा है कि, पटना के गांधी मैदान से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (Narendra Modi) ने ही डीएनए (DNA) का सवाल उठाया था. अब तक उसका जवाब नहीं आया और दोनों साथ हो गए.

आरजेडी (RJD) नेता ने कहा कि, तेजस्वी यादव (Tejashwi Yadav) में लालू प्रसाद यादव (Lalu Prasad Yadav) का खून है, वो गरीबों

की बात करते हैं. गरीबों की बात की वजह से लोग तेजस्वी में लालू की छवि देख रहे हैं.

वहीं, तेजस्वी यादव पर ललन सिंह के बयान का जेडीयू ने समर्थन किया है. जेडीयू प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि, ललन सिंह बयान के शब्दों नहीं, बल्कि भाव को समझने की जरूरत है. 15 साल का कार्यकाल किस तरह का रहा है, ये सब जानते हैं.

दरअसल, ललन सिंह ने कहा कि, तेजस्वी यादव को बात समझ में नहीं आती है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार (Nitish Kumar) ने पहले ही साफ कर दिया है कि, न किसी को बचाया जाता है, न किसी को फंसाया जाता है.

जेडीयू सांसद ने कहा कि, किसी एक घटना को लेकर राजनीति नहीं करना चाहिए. अगर किसी का नाम आया है और साक्ष्य मिला है तो, कार्रवाई होगी. उन्होंने कहा कि, तेजस्वी यादव घोसवरी गए थे, वहां किस लिए घटना का नाम नहीं ले रहे. जहानाबाद, गया का रास्ता नहीं देखे हैं क्या, वहां भी घटना हुई है.

ललन सिंह ने कहा कि, कोई भी घटना होती है, तो वो निंदनीय है. उन्होंने कहा, 'तेजस्वी यादव में लालू प्रसाद यादव का जींस आ गया है. कुछ ज्यादा ही जींस आ गया है, बच्चा रहते, अरबों के मालिक बन गए.' इसी को लेकर बिहार में जुबानी जंग तेज हो गई है.

देश का नाम 'इंडिया' से बदलकर भारत रखने पर याचिका, सुप्रीम कोर्ट ने विचार से इनकार किया

सुप्रीम कोर्ट ने देश का आधिकारिक नाम भारत किए जाने की मांग पर विचार से इनकार कर? दिया है.

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने देश का आधिकारिक नाम भारत किए जाने की मांग पर विचार से इनकार कर? दिया है. कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि वह सरकार के सामने ये मांग रखें. चीफ जस्टिस ने कहा कि संविधान में भी भारत नाम है. लिखा है 'इंडिया दैट इज़ भारत'

याचिकाकर्ता ने कहा कि इंडिया नाम हटे क्योंकि, यह ग्रीक शब्द इंडिका से निकला है.

चीफ जस्टिस ने कहा कि सरकार को अपनी मांग पर आश्वस्त करें. इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने याचिका पर दखल देने से इनकार किया.

अदालत ने कहा कि याचिका को सरकार का प्रतिनिधित्व माना जाए. कोर्ट ने कहा कि केंद्र को इस संबंध में ज्ञापन दिया जा सकता है.

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि आप यहां क्यों आए? वकील ने दलील देनी शुरू की तो चीफ जस्टिस ने कहा कि हमारे संविधान में शुरुआत में ही कहा गया है कि इंडिया

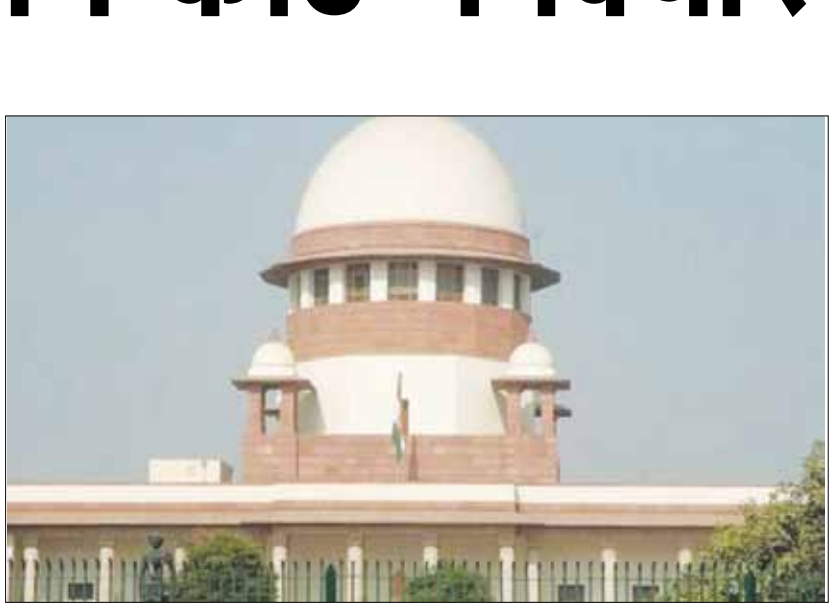

जो भारत है.

कोर्ट ने कहा कि अब आपको क्या प्रॉब्लम है?

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि सदियों से भारत और भारत माता की जय बोलते आ रहे हैं.

इसके बाद चीफ जस्टिस ने याचिकाकर्ता को कहा कि वह गृह मंत्रालय को अपनी दलीलों और तर्कों का रिप्रेजेंटेशन दें.

गौरतलब है कि हमारे संविधान में देश का नाम इंडिया से बदलकर भारत रखे जाने की मांग को लेकर याचिका दायर हुई थी. मंगलवार को सुनवाई की लिस्ट में याचिका का नाम शामिल था, लेकिन चीफ जस्टिस की कोर्ट नहीं बैठी थी, इसलिए सुनवाई टल गई थी. यह याचिका दिल्ली के निवासी ने दायर की थी.

याचिकाकर्ता का कहना था कि इंडिया शब्द से अंग्रेजों की गुलामी झलकती है जो कि भारत की गुलामी की निशानी है. इसलिए इस इंडिया शब्द की बजाय भारत या हिंदुस्तान का इस्तेमाल होना चाहिए. साथ ही याचिका में कहा गया है कि संविधान के पहले अनुच्छेद में लिखा है कि इंडिया यानी भारत. लेकिन आपत्ति यह है कि जब देश एक है तो उसके दो नाम क्यों हैं, एक ही नाम का इस्तेमाल क्योंनहीं किया जाए.

याचिका में दावा किया गया कि 'भारत' या 'हिंदुस्तान' शब्द हमारी राष्ट्रीयता के प्रति गौरव का भाव पैदा करते हैं इसलिए याचिका में सुप्रीम कोर्ट से सरकार को संविधान के अनुच्छेद 1 में संशोधन के लिए उचित कदम उठाते हुए 'इंडिया' शब्द को हटाकर, देश को 'भारत' या 'हिंदुस्तान' कहने का निर्देश देने की मांग की गई है. यह अनुच्छेद इस गणराज्य के नाम से संबंधित है.

याचिका में कहा गया कि संविधान में यह संशोधन इस देश के नागरिकों की औपनिवेशिक अतीत से मुक्ति सुनिश्चित करेगा. याचिका में 1948 में संविधान सभा में संविधान के तत्कालीन मसौदे के अनुच्छेद एक पर हुई चर्चा का हवाला दिया गया है जिसमें उस समय देश का नाम 'भारत' या 'हिंदुस्तान' रखने की पुरजोर हिमायत की गई थी. याचिका में कहा गया कि अंग्रेजी नाम बदलना सांकेतिक लगता हो लेकिन इसे भारत शब्द से बदलना हमारे पूर्वजों के स्वतंत्रता संग्राम को न्यायोचित ठहराएगा, यह उचित समय है कि देश को उसके मूल और प्रमाणिक नाम 'भारत' से जाना जाए.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका में अशांति के बीच सेना भेजने की दी चेतावनी

वाशिंगटन।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में पुलिस हिरासत में एक अश्वेत व्यक्ति की मौत पर बढ़ती अशांति को खत्म करने के लिए अब सेना भेजने को लेकर चेतावनी दी है। बीबीसी ने राष्ट्रपति ट्रंप के हवाले से कहा, प्रदर्शनकारियों को रोकने और अपने निवासियों को बचाने में यदि शहर और राज्य विफल रहते हैं, तो परेशानियों को तुरंत खत्म करने के लिए सेना की तैनाती की जाएगी। जॉर्ज फ्लोयड की मौत पर हो रहे विरोध प्रदर्शन पिछले एक सप्ताह में बढ़ गए हैं। अमेरिका में नवंबर में चुनाव होना है। ऐसे में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बिडेन ने मंगलवार को राष्ट्रपति ट्रंप की आलोचना कर उन पर निशाना साधा था। प्रदर्शनकारियों को इकट्ठा होने की स्वतंत्रता की गारंटी देने वाले अमेरिकी संविधान का हवाला देते हुए डेमोक्रेट पार्टी के नेता ने कहा, हम किसी राष्ट्रपति को अपनी आवाज बंद नहीं करने देंगे। लास वेगास के शेरिफ ने मंगलवार को कहा कि पुलिस द्वारा भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश के दौरान गोली लगने से एक अधिकारी की मौत हो गई। प्रशासन ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे, जिसमें दर्जनों लोग घायल हुए हैं।

US हिंसा की आग बुझा रहे भारतीय, जीता लोगों का दिल

वाशिंगटन:

अफ्रीकी-अमेरिकी व्यक्ति जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या पर देश में चल रहे हिंसक प्रदर्शनों के बीच एक भारतीय-अमेरिकी ने 70 से अधिक प्रदर्शनकारियों को पनाह देकर लोगों का दिल जीत लिया है। गौरतलब है कि मिनियापोलिस में 25 मई को एक श्वेत पुलिस अधिकारी ने अपने घुटने से कुछ देर तक जॉर्ज फ्लॉयड (46) की गर्दन दबाई थी, जिससे उसकी मौत हो गई थी। उसके लिए इंसाफ की मांग करने के लिए हजारों की संख्या में लोग सड़क पर उतर आए हैं।वाशिंगटन डीसी के रहने वाले राहुल दुबे ऐसे ही कई प्रदर्शनकारियों को अपने घर में पनाह दी। 'एस्क्वायर' पत्रिका को दिए एक साक्षात्कार में 44 वर्षीय राहुल ने कहा, '' करीब 75 लोग मेरे घर में थे। उन्हें एक सोफे जितनी ही जगह मिल रही थी। एक मां और बेटी के परिवार को मैंने अपने बेटे का कमरा दिया ताकि वह आराम कर सकें। यहां तक कि बाथटब में भी लोग थे लेकिन कोई भी किसी बात की शिकायत नहीं कर रहा था। वे खुश थे... नहीं वे खुश नहीं थे। वे सुरक्षित थे। वे एक-दूसरे को सहारा दे रहे थे।'' राहुल सोमवार को हुए प्रदर्शन के बाद ही चर्चा में आ गए और उनके इस कदम के लिए सोशल मीडिया पर भी उनकी काफी सराहना की गई। एक कार्यकर्ता ने ट्वीट किया, ''राहुल ने कल रात हमारी जान बचाई।'' एक अन्य प्रदर्शनकारी एलिसन लेन ने लिखा, '' पेपर स्प्रे से

पुलिस ने मुझे घायल कर दिया था उसके बाद मैं अब डीसी में एक घर में हूं। घर को पुलिस ने घेर रखा है और अंदर हम करीब 100 लोग हैं। सभी लोगों ने अपने घर के दरवाजे खोल दिए हैं और प्रदर्शनकारियों की देखभाल कर रहे हैं। '' राहुल दुबे ने 'बजफीड न्यूज' से कहा, '' अगर आपने देखा होता कि मेरी आंखों के सामने क्या हो रहा था... कोई विकल्प ही नहीं बचा था। लोगों पर पेपर स्प्रे किया जा रहा था और उन्हें पीटा जा रहा था ।'' 'डब्लूजेएनए' ने दुबे के हवाले से कहा, '' मैं उम्मीद करता हूं कि मेरा 13 साल का बेटा इन्हीं की तरह एक कमाल का इंसान बने।''

भारत को दान दिए 100 वेंटीलेटर्स की पहली खेप अगले हफ्ते भेजेगा अमेरिका

वाशिंगटन:

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई बातचीत के दौरान बताया कि उनका देश भारत को दान में दिए 100 वेंटीलेटर्स की पहली खेप अगले हफ्ते भेजने के लिए तैयार है। व्हाइट हाउस ने बताया कि ट्रंप ने मंगलवार को मोदी से बात की और दोनों नेताओं ने जी7 सम्मेलन, कोविड-19 से निपटने और क्षेत्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर चर्चा की। व्हाइट हाउस ने टेलीफोन पर हुई बातचीत के बारे में बयान जारी कर बताया, ''राष्ट्रपति को घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि अमेरिका अगले हफ्ते भारत को दान में दिए 100 वेंटीलेटर्स की पहली खेप भेजने के लिए तैयार है।'' इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा था कि उनकी उनके 'मित्र' ट्रंप से गर्मजोशी के साथ और सार्थक बातचीत हुई। उन्होंने कहा, ''हमने जी-7 की अमेरिका की अध्यक्षता के लिए उनकी योजनाओं, कोविड-19 वैश्विक महामारी और कई अन्य मुद्दों पर चर्चा की।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत-अमेरिका चर्चाओं की मजबूती और गहराई कोविड-19 के बाद की वैश्विक संरचना में एक महत्वपूर्ण स्तंभ होगी। ट्रंप ने जी-7 समूह की अध्यक्षता के बारे में जानकारी दी और समूह का

दायरा बढ़ाने की इच्छा से अवगत कराया ताकि भारत सहित महत्वपूर्ण देशों को इसमें शामिल किया जा सके। बयान में कहा गया है, ''इस परिप्रेक्ष्य में उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को अमेरिका में आयोजित होने वाले अगले जी-7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए निमंत्रण दिया।''

द.अफ्रीकी कोर्ट ने कुछ लॉकडाउन प्रतिबंधों को बताया 'असंवैधानिक और अवैध'

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका की एक अदालत ने कहा कि कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए लगाए गए सरकार के लॉकडाउन संबंधी कुछ नियम ''असंवैधानिक और अवैध'' हैं लेकिन ये अगले 14 दिनों के लिए लागू रहेंगे। नोर्थ गोतेंग के उच्च न्यायालय ने देशव्यापी लॉकडाउन के 'तीसरे और चौथे चरण' के मौजूदा नियमों की समीक्षा करने का मंगलवार को आदेश दिया। दक्षिण अफ्रीका ने कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए पांच चरणीय रणनीति के 'तीसरे चरण' को सोमवार को लागू कर दिया था। देश में 67 दिन पहले लॉकडाउन होने से लेकर अब तक इस संक्रामक रोग से 703 लोगों की मौत हो चुकी है। सरकार ने एक बयान में कहा, ''सरकार ने दो जून को गोतेंग के उच्च न्यायालय द्वारा दिए फैसले पर संज्ञान लिया है जिसमें 'चौथे और तीसरे चरण' के लॉकडाउन संबंधी नियमों को असंवैधानिक और अवैध घोषित किया है।'' इसमें कहा गया है, ''अदालत ने अवैधता के इस आदेश को

14 दिनों के लिए निलंबित किया है। इसका मतलब है कि अभी तीसरे चरण के नियम लागू रहेंगे।'' लॉकडाउन के इन नियमों में सबसे बड़ी आपत्ति शराब की बिक्री पर प्रतिबंध हटाने के फैसले को लेकर है लेकिन सिगरेट और तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध बरकरार रहा। न्यायाधीश नोर्मन डेविस ने कुछ अन्य नियमों का भी जिक्र किया जो ''तर्कहीन'' लगते हैं। इनमें अंतिम संस्कारों, सार्वजनिक स्थानों पर व्यायाम, सैलून खोलने पर पाबंदी और लॉकडाउन के दौरान कुछ खास तरह के कपड़ों की बिक्री को ही अनुमति देना शामिल है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप और बाइडेन इंडियाना से प्राइमरी चुनाव जीते

न्यूयार्क:

राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए इंडियाना से प्राइमरी में डेमोक्रेट जो बाइडेन और रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रंप ने जीत हासिल कर ली है। इंडियाना में डेमोक्रेटिक पार्टी के प्रत्याशी के लिए चुनाव नतीजे पहले से ही मालूम थे क्योंकि बाइडेन के प्रतिद्वंद्वियों ने अपना नाम वापस ले लिया था। इंडियाना से जीत के साथ ही पूर्व उपराष्ट्रपति 1,911 प्रतिनिधियों का आंकड़ा छूने के करीब पहुंच चुके हैं जो डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद का नामांकन हासिल करने के लिए आवश्यक है। बाइडेन ने सात राज्यों में प्राइमरी चुनाव में जीत दर्ज की। उन्हें मंगलवार को हुए चुनाव में सबसे अधिक प्रतिनिधि पेन्सिलवेनिया से मिले। वह मैरीलैंड, इंडियाना, रहोडे आइलैंड, न्यू मैक्सिको, मोंटाना और दक्षिण डकोटा से चुनाव जीते। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण इंडियाना में प्राइमरी चुनाव में चार हफ्तों की देरी हुई। नौ राज्यों और डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया के मतदाताओं ने मंगलवार को हुए प्राइमरी चुनाव में भाग लिया। जिन राज्यों में मतदान हुआ उनमें इडाहो, इंडियाना, आयोवा, मैरीलैंड, मोंटाना, न्यू मैक्सिको, पेन्सिलवेनिया, रहोडे आइलैंड और दक्षिण डकोटा शामिल हैं।

अमेरिकी प्रतिबंध के बावजूद डी-कंपनी के पेपर मिल में कामकाज फिर शुरू

नई दिल्ली ।

कुख्यात डी-कंपनी के संबंधों के कारण अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित विवादास्पद मेहरान पेपर मिल ने अपना संचालन फिर से शुरू कर दिया है। यह पेपर मिल कराची से 154 किलोमीटर दूर कोटरी(सिंध) में स्थित है। इस पेपर मिल का नियंत्रण डी-कंपनी के शीर्ष लेफ्टिनेंट अनीस इब्राहिम के हाथों में है, जो भारत में वांछित दाउद इब्राहिम का भाई है। मेहरान पेपर मिल का कथित रूप से पाकिस्तान सिक्युरिटी पिंट्रिंग कॉपरेशन(पीएसपीसी) के साथ सांठगांठ है, और यहां कथित तौर पर भारतीय अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने के लिए नकली भारतीय मुद्रा नोट छापे जाते हैं। सिंध सरकार का हालांकि कहना है कि मेहरान पेपर मिल को 2015 में अमेरिका के फॉरेन नारकोटिक्स किंगपिन डेजिगेनेशन एक्ट के तहत प्रतिबंधित कर दिया गया था। आईएएनएस ने हालांकि पता लगाया है कि मिल में काम दोबारा शुरू हो गया है। कोटरी एसोसिएशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री(केएटीआई) के महासचिव के एक सहायक ने आईएएनएस को फोन पर बताया कि पहले यह मिल बंद थी, लेकिन अब दोबारा शुरू हो गई है। केएटीआई के महासचिव आसिफ अली के सहायक ने फोन पर ऊर्दू में बताया कि पकिस्तान के सिंध प्रांत स्थित कोटरी के प्लॉट नंबर, एफ-11, साइट में मेहरान पेपर मिल में काम बंद हुआ था, लेकिन यहां काम फिर से शुरू हो गया है। हालांकि सहायक को मिल के बंद होने की वजह के बारे में पता नहीं था। आश्चर्यजन रूप से, कोटरी का प्रमुख व्यपारिक निकाय केएटीआई अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर 136 सदस्यों की सूची को प्रदर्शित करता है, जिसमें मेहरान पेपर मिल भी शाामिल है, जबकि इसपर अमेरिका द्वारा प्रतिबंध लगाया गया था। आईएएनएस ने गुल पेपर इंडस्ट्री के मालिक से भी बात की, लेकिन जब उनसे मेहरान मिल के संचालन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने चुप्पी साध ली। गुल पेपर कोटरी के प्लॉट नंबर, पी-2, साइट में स्थित है। अलीबाबा समेत कई व्यापारिक साइटों पर मेहरान पेपर मिल को वैश्विक व्यापार संचालन वाला एक बेहतरीन टिश्यू पेपर का विनिर्माता बताया जाता है। कई व्यापारिक साइट्स और ई-कामर्स कंपनियों ने पेपर मिल के मालिक के रूप में हाजी अनीस इब्राहिम का जिक्र कर रखा है। भारत सरकार की रिपोर्ट और डी कंपनी के आतंकवादी संगठनों, एफआईसीएन संचालन से तार जुड़े होने के एफबीआई की रिपोर्ट के बाद, अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने अनीस इब्राहिम, उसके सहयोगी मूसा बिलाखिया और मेहरान पेपर मिल पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया था। 16 जनवरी, 2015 के अमेरिकी ट्रेजरी के आदेश के अनुसार, अनीब इब्राहिम नारकोटिक्स ट्रैफिकिंग, उगाही, सुपारी लेकर हत्या करना, डी-कंपनी के लिए धनशोधन में संलिप्त था। वह 1993 मुंबई विस्फोट का भी आरोपी है। पाकिस्तान के कोटरी शहर के मेहरान पेपर मिल पर कार्रवाई की गई है, जिसका स्वामित्व अनीस इब्राहिम के पास है।

इटली में यात्रा पर लगी पाबंदी हटी

रोम। यूरोपीय देश इटली में कोरोना वायरस (कोविड-19) के मद्देनजर यात्रा करने पर लगाई गई पाबंदी हटा ली गई है और बुधवार से लोग देश में कहीं ही आवागमन्न कर सकते हैं। इटली की सरकार द्वारा कोरोना की रोकथाम के लिए लगाई गई पाबंदियों को हटाने का यह तीसरा चरण है। इससे पहले दूसरे चरण में सरकार ने चार मई को निर्माण तथा विनिर्माण क्षेत्र पर से पाबंदियां हटाई थी और इन क्षेत्रों में फिर से गतिविधियां शुरू करने की इजाजत दी थी। इटली में सबसे पहले 18 मई को पाबंदियों में ढील देनी शुरू की गयी थी, जब सरकार ने खुदरा दुकानें और सैलून को खोलने की इजाजत दी थी। साथ ही बार और रेस्तरां को पूरी तरह से खोलने की अनुमति प्रदान की थी। इटली में हालांकि भीड़ इकट्ठा होने तथा सार्वजनिक समारोहों पर पाबंदी जारी रहेगी। देश में 15 जून से थियेटर और सिनेमा घरों को भी खोला जा सकता है।

विज्ञापन एकाधिकार को लेकर USA में Google पर लगभग 38 हजार करोड़ का मुकदमा

कैलिफोर्निया। मशहूर तकनीकी कंपनी गूगल पर निजी इंटरनेट के उपयोग पर नजर रखने को लेकर अमेरिका में पांच अरब डॉलर का मुकदमा दर्ज किया गया है। स्थानीय मीडिया ने मंगलवार को इस इस बात की जानकारी दी। अपनी रिपोर्ट में बताया है कि कंपनी गूगल एलालिटिक्स, गूगल एड मैनेजर और अन्य एप्लिकेशन तथा वेबसाइट प्लग-इन, स्माटर्फोन ऐप सहित अन्य माध्यमों से इंटरनेट उपभोक्ताओं के बारे में जानकारी एकत्र करती है कि लोगों ने ऑनलाइन क्या देखा है और वे कहां से इस तरह की चीजों को सर्च करते हैं। उधर गूगल के प्रवक्ता जोस कास्टानेडा ने इन आरोपों को खारिज किया और कहा कि हमने स्पष्ट तौर पर कहा है कि जब आप एक नया टैब खोलते हैं, तो वेबसाइटें आपकी ब्राउज़िगं गतिविधि के बारे में जानकारी एकत्र कर सकती हैं।

Covid-19: वुहान में करीब एक करोड़ लोगों की जांच, बिना लक्षण वाले 300 नए केस आए सामने

बीजिंग:

पूरी दुनिया में कोरोना वायरस महामारी को फैलाने वाले चीन ने कुछ दिन पहले दावा किया था कि वह लगभग वायस से फ्री हो चुका है। लेकिन लॉकडाऊन में ढील मिलते ही चीन में कोरोना का दूसरा दौर शुरू हो गया । वायरस के केंद्र रहे वुहान में करीब एक करोड़ लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की जांच की गई जिसमें बिना लक्षण वाले 300 मामले सामने आए हैं। शहर की सरकार ने मंगलवार को बताया कि 98 लाख 90 हजार लोगों की जांच की गई। इनमें बिना लक्षण वाले 300 मरीज मिले हैं। स्थानीय स्वास्थ्य आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार वुहान में इस साल जनवरी से अभी तक 50,340 लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हुए, जिनमें से 3,869 लोगों की जान जा चुकी है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने बताया कि चीन में सोमवार तक कोरोना के कुल 83,022 मामले सामने आए, जिनमें से 73 लोगों का इलाज अभी चल रहा है। एनएचसी ने बताया कि 78,315 लोगों को

इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है और 4,634 लोगों की मौत हुई है। एनएचसी ने बताया कि सोमवार को देश में बाहर से आए पांच लोग संक्रमित मिले। 10 लोग बिना लक्षण के संक्रमित पाए गए। अभी तक बिना लक्षण के संक्रमित पाए गए 371 लोगों में से 39 विदेश से आए हैं। ये सभी चिकित्सकीय निगरानी में हैं।ऐसे मामलों के बढ़ने के मद्देनजर सरकार ने पिछले महीने सभी 1.12 करोड़ लोगों की जांच करने का निर्णय लिया था।

सीमा विवाद: भारत के साथ युद्ध की तैयारी में चीन ? तिब्बत के पास रात को किया युद्धाभ्यास

बीजिंग:

एक तरफ जहां पूरी दुनिया कोरोना वायरस के महासंकट में उलझी हुई है, वहीं चीन लगातार अपने महत्वकांक्षी एजेंडों को अंजाम देने में जुटा हुआ है। सीमा विवाद को लेकर भारत और चीन के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। बेशक दोनों देश कूटनीति और बातचीत के जरिए मामला सुलझाने की बात कह रहे हैं लेकिन हकीकत इसके विपरीत नजर आ रही है क्योंकि दोनों सेनाओं ने ही किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। गुप्त सूत्रों के मुताबिक चीन बातचीत से अधिक अपनी ताकत दिखाने को बेताब दिख रहा । चीनी सेना को भारत से सटी तिब्बत सीमा के पास युद्ध अभ्यास भी करते हुए देखा गया है। चीन ने तिब्बत मिलिट्री कमांड पर न सिर्फ पहाड़ों पर लड़ने के लिए उपयोग किए जाने वाले हथियार भिजवाए हैं, बल्कि रात में कैसे जंग लड़ी जाएगी इसका भी अभ्यास किया जा रहा है। हालांकि अमेरिका ने भारत का पक्ष लेते हुए चीन को ताकत के बजाय मामले को कूटनीति से सुलझाने की सलाह दी है। चीन के मुखपत्र यानि सरकारी मीडिया ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक चीन की पीपल्स लिबरेशन आर्मी की तिब्बत कमांड ने हाल ही में ऊंचाई के इलाकों में और खासकर रात में युद्ध लड़ने का अभ्यास किया जिसका लक्ष्य दुर्गम क्षेत्रों में लड़ाई करने की ट्रेनिंग और रात में हमला करने पर ही केन्द्रित था। ये युद्ध अभ्यास समुद्र तल से 4700 मीटर की ऊंचाई पर तिब्बत सीमा के पास किया गया। रिपोर्ट के मुताबिक रात के एक बजे पूरी बटालियन ने तिब्बत कि तंगुलिया माउंटेन कि तरफ निशाना बनाकर युद्ध

अभ्यास किया। इस दौरान सभी गाड़ियों ने अपनी लाइटें बंद रखीं और नाइट विजन डिवाइसेज के सहारे युद्ध लड़ने का अभ्यास किया गया। अंधेरे में युद्ध का सबसे बड़ा फायदा यह माना जाता है कि इससे ड्रोन हमलों से बचा जा सकता है। इससे पहले सोमवार को **CCTV**(चायनीज सेन्ट्रल टीवी) ने भी एक प्रोग्राम में इस युद्ध अभ्यास की जानकारी दी। इस अभ्यास में आमने-सामने की लड़ाई, स्नाइपर अटैक, लाइट आर्मर्ड वेहिकल अटैक और एंटी टैंक रॉकेट के जरिये हमलों का अभ्यास किया गया। इस युद्ध अभ्यास में बिना दुश्मन को जानकारी लगे उसके बेस तक पहुंचना और उसे नष्ट कर देने की ट्रेनिंग पर जोर दिया गया था। इस अभ्यास के दौरान 2000 से ज्यादा मोर्टार, राइफल ग्रेनेड, एंटी टैंक रॉकेट का इस्तेमाल किया गया। ये अभ्यास कमांडर ऑफ़ स्काउट बटालियन मा किन की देखरेख में अंजाम दिया गया.। उधर चीनी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को भी कहा कि भारत के साथ अच्छी बातचीत चल रही है और स्थिति सामान्य है।

ट्विटर के खिलाफ कार्रवाई करना ट्रंप को पड़ा महंगा, अमेरिकी राष्ट्रपति के खिलाफ मुकद्दमा दर्ज

इंटरनेशनल डेस्क: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर संविधान के पहले संशोधन का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए गैर-सरकारी संगठन लोकतंत्र एवं प्रौद्योगिकी केन्द्र (सीडीटी) ने उनके खिलाफ एक नया मुकद्दमा दायर किया है। सीडीटी ने बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी। ट्रंप ने ट्विटर और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के खिलाफ एक कार्यकारी आदेश जारी किया था। सीडीटी की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार ट्रंप ने 28 मई को एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे जो इंटरनेट पर गलत सूचना के खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफार्म की आवाज को कमजोर करता है। यह आदेश तीसरे पक्ष के यूजर्स द्वारा पोस्ट की जाने वाली सामग्री के लिए ट्विटर और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म की कानूनी छूट वापस लेने पर केंद्रित है। सीडीटी के मुताबिक ट्रंप का कार्यकारी आदेश संविधान के पहले संशोधन का उल्लंघन करता है और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और व्यक्तियों के संवैधानिक रूप से संरक्षित अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को कमजोर करता है। दरअसल, ट्विटर ने गत शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति के एक ट्वीट को 'फ्लैग' कर दिया था और कहा था कि यह 'हिंसा को बढ़ावा' देने संबंधी नियमों का उल्लंघन करता है। अमेरिका के मिनेपॉलिस शहर में अश्वेत अमेरिकी नागरिक जॉर्ज फ्लॉयड की पिछले सोमवार को पुलिस हिरासत में मौत के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों पर ट्रंप ने एक विवादास्पद ट्वीट किया था। उन्होंने ट्विटर पर लिखा कि जब लूटपाट शुरू होती है तो गोलीबारी शुरू होती है।

चीन की भारत को सीधी धमकी ! 'डोकलाम नहीं है लद्दाख, जंग के लिए पूरी तरह तैयार'

इंटरनेशनल डेस्क:

सीमा विवाद में भारत को अमेरिका का साथ मिलने के बाद चीन अब सीधी धमकियों पर उतर आया है। चीन के मुखपत्र सरकारी समाचार पत्र ग्लोबल टाइम्स ने कहा है कि लद्दाख डोकलाम नहीं है और हमारी सेना ने भारत से पहाड़ों में जंग लड़ने के लिए पूरी तैयारी कर रखी है। चीन ने हेंकड़ी दिखाते हुए कहा कि डोकलाम विवाद के बाद उसने अपने जखीरे में टैंक से लेकर अत्याधुनिक ड्रोन शामिल किए है। ग्लोबल टाइम्स ने चीनी विश्लेषक के हवाले से कहा कि चीन ने अपने हथियारों क जखीरे में टाइप 15 टैंक, **Z**-20 हेलिकॉप्टर और जीजे-2 ड्रोन शामिल किए हैं जो उसे पहाड़ों और ऊंचाई वाले इलाकों में युद्ध के दौरान बढ़त दिलाएंगे। टाइप 15 टैंक को पिछले साल ही सेना में शामिल किया गया है। चीनी विशे लेषक ने दावा किया कि तिब्बत के पहाड़ों में यह हल्का टैंक बहुत आसानी से काम करेगा जबकि बड़े टैंकों को जाने में दिक्के कत होगी। यह टैंक किसी भी अन्य टैंक को पीछे छोड़ देगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएलए ने अत्याधुनिक **PCL**-181 तोप तैनात की है। 25 टन की इस तोप को कहीं भी बेहद आसानी से ले जाया जा सकता है। हल्की होने की वजह से यह बेहद आसानी पहाड़ों में घातक हमले कर सकती है। यह पूरी तरह से स्वचालित और अर्द्ध स्वचालित है। इन दोनों को ही चीन ने जनवरी में ही तिब्बत के पठारों पर तैनात कर रखा है। उन्होंने बताया कि चीनी सेना ने तिब्बत में भारतीय सीमा पर मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम तैनात किया है। यह रॉकेट लॉन्चर 370 एमएम के रॉकेट दागने में सक्षम है। ग्लोबल टाइम्स की इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि चीनी सेना ने **Z**-20 मालवाहक हेलिकॉप्टर तिब्बत में तैनात किया है। यह हेलिकॉप्टर किसी भी मौसम में सैनिकों और सैन्य साजो सामान को पहुंचा सकता है। इसके अलावा **Z**-8**G** विशाल ट्रांसपोर्ट हेलिकॉप्टर तैनात किया गया है। यह हेलिकॉप्टर 4500 फुट की ऊंचाई पर भी काम कर सकता है। चीनी समाचार पत्र ने बताया कि पीएलए ने हथियारों से लैस **GJ**-2 ड्रोन निगरानी विमान को तिब्बत में तैनात कर रखा है। इसे पूरे तिब्बत में निगरानी के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। चीनी अखबार ने दावा कि इन हथियारों के बल पर चीनी सेना ऊंचाई वाले इलाके में किसी भी तरह के हमले का जवाब देने में सक्षम है। बता दें कि लद्दाख में चीन ने अपने सदाबहार दोस्त पाकिस्तान की तरह चालबाजी की है। दरअसल, सेना के कुछ जवानों के कोरोना संक्रमित होने के बाद भारत ने

वास्तविक नियंत्रण रेखा (**LAC**) के करीब मार्च के शुरू में होने वाले अपने अभ्यास को कुछ समय के लिए टाल दिया था। इसी का फायदा उठाते हुए चीनी सेना ने रणनीतिक दृष्टि से अहम भारतीय सेना के पेट्रोलिंग वाले इलाके में आगे बढ़ते हुए वहां अपनी पोजीशन मजबूत कर ली। इसके बाद से दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर है। उधर, सैटलाइट तस्वीरों के हवाले से भारतीय सरकारी सूत्रों ने बताया कि चीनी सैनिक भारतीय सेना के पेट्रोलिंग वाले इलाकों पोजीशन बना ली है और कुछ रणनीतिक दृष्टि से अहम क्षेत्र में भी आ गए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने पहले बताया था कि भारत चीन के साथ इस मसले को सुलझाने की कोशिश कर रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी एक इंटरव्यू में कहा था कि चीन ने सीमा पर सेनाएं बढ़ाई हैं और मसले को सुलझाने के लिए बातचीत चल रही है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दहेज की कैमिकल कंपनी में लगी आग में 8 कामगारों की मौत, 50 झुलसे

भरुच दक्षिण गुजरात के दहेज स्थित यशस्वी रसायन कंपनी में आज प्रचंड धमाके अफरातफरी मच गईद्य ब्लास्ट के बाद कंपनी में भीषण आग लग गई! इस घटना में 8 कामगारों की मौत हो गई और कई कामगार घायल हो गए! जानकारी के मुताबिक भरुच जिले के दहेज में बुधवार को यशस्वी रसायन नामक कंपनी में बोइलर में ब्लास्ट के बाद आग भड़क उठी!

ब्लास्ट और आग लगने से कंपनी में मौजूद कर्मचारियों में अफरातफरी मच गई! धमाका इतना तेज था कि करीब 20 किलोमीटर दूर तक इसकी गूंज सुनाई दी और आसपास के इलाके थर्रा उठे और लोगों में दहशत फैल गई! आग इतनी भयंकर थी कि कई किलोमीटर तक धुएं के गुबार दिखाई दिए! सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की 10 जितनी गाडियां घटनास्थल पर पहुंच गई और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया! ब्लास्ट और आग की घटना में 6 कामगारों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और 2 कर्मचारियों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया! इस घटना में 50 जितने कामगार घायल हुए हैं! ब्लास्ट होते ही कर्मचारी फौरन बाहर की ओर भाग निकलेद्य हांलाकि इस दौरान आग लगने से कई कामगार उसकी चपेट में आकर झुलस गए! आग में झुलसे कर्मचारियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है! कंपनी में किसी प्रकार की सुरक्षा या एम्ब्युलैंस की व्यवस्था नहीं होने से आग में झुलसे कई कामगार काफी समय तक कराहते नजर आए!

दहेज की कैमिकल कंपनी में ब्लास्ट के बाद लगी भीषण आग

भरुच दक्षिण गुजरात के दहेज स्थित एक कैमिकल कंपनी में आज जबर्दस्त ब्लास्ट के बाद भीषण आग की घटना से अफरातफरी मच गई! इस घटना में कई लोगों के घायल होने की खबर है! आग इतनी भीषण थी कि कई किलोमीटर तक धुएं का गुबार देखा गयाद्य जानकारी के मुताबिक भरुच के दहेज स्थित यशस्वी रसायण नामक कंपनी में गुरुवार को जबर्दस्त धमाके के बाद आग लग गई! आग इतनी भीषण थी कि काले धुएं के गुबार से आसमान पट गया! कई किलोमीटर दूर तक धुआं देखा गया! ब्लास्ट होते ही कंपनी में काम कर रहे कामगार फौरन बाहर की ओर भाग निकले खबर मिलते ही भरुच से फायर ब्रिगेड की टीमें घटनास्थल पर पहुंच गई है

खुनी खेल लिंबायत में भी खेला गया चार लोगो पर जानलेवा

सूरत। शहर में लोकडाउन होने के बावजूद असामाजिक तत्व उत्पात मचा रहे है.अकबर शहीद टेकरा के बाद गत रात लिंबायत विस्तार में भी बदमाशों ने खुनी खेल खेला और एक महिला समेत चार लोगो पर जानलेवा हमला कर दिया.जिससे स्थानीय लोगो में भय फ़ैल गया.

पुलिस सूत्रों से मिली जानकरी के मुताबिक काफी समय से चले आ रहे विवाद और रंजिश को लेकर आरोपी अरुण पाटिल,जयेश उर्फ़ लालू और कैलाश गत रात चाकू लेकर आये और आसपास नगर– 2 में उपस्थित गणेश पाटिल,दीपक,गोविंदा और वैशाली वाघ पर जानलेवा वार कर तीनो को लहूलुहान करके भाग गए. लहूलुहान पड़े लोगो को देखकर स्थानीय लोग काफी घबरा गए.तीनो को इलाज के लिए अस्पताल में ले जाया गया.घटना के बारे में सुचना मिलने पर लिंबायत पुलिस मौके पर पहुंची और प्राथमिक जाँच पड़ताल करके आरोपियों के खिलाफ हत्या की कोशिश का मामला दर्ज करके

चक्रवात के चलते दक्षिण गुजरात में 50000 से ज्यादा लोगों का स्थानांतरण

अहमदाबाद गुजरात से निसर्ग चक्रवात की घात टल गई है, इसके बावजूद ऐहतियात के तौर पर 50000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया है! चक्रवात के चलते दक्षिण गुजरात के वलसाड, नवसारी समेत तटीय इलाकों में 100 से 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है! खासकर दक्षिण गुजरात के वलसाड और नवसारी जिले में विशेष सतर्कता रखी जा रही है! कोविड अस्पतालों में उपचाराधीन मरीजों को कोई तकलीफ न हो और निर्बाध बिजली आपूर्ति पर खास ध्यान दिया जा रहा है! राज्य के तटीय इलाकों में एनडीआरएफ की 15 और एसडीआरएफ की 6 टीमें तैनात हैं! सभी मछुआरों को समुद्र से वापस बुला लिया गया हैद्य तेज हवा की संभावनाओं को देखते हुए वापी और सूरत के आसपास के कैमिकल उद्योगों के साथ जिला प्रशासन ने चर्चा कर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए हैं! वलसाड जिले की वापी में आज ज्यादातर औद्योगिक इकाइयों को बंद रखने का आदेश दिया गया है! इतना ही नहीं झिंगा फार्म और नमक उद्योग से जुड़े श्रमिकों को सुरक्षित स्थानों पर भेज दिया गया है! सूरत और वलसाड समेत अन्य शहरों में विशालकाय हॉर्डिंग इत्यादि सुरक्षा कारणों से उतार लिए गए हैं! पंकज कुमार ने बताया कि राज्य सरकार सभी विभाग, जिला और तहसील प्रशासन के साथ सीधे संपर्क में है और हालात पर पैनी नजर रखे हुए है! जहां चक्रवात का असर हो सकता है ऐसे इलाकों से ढाई से ज्यादा गभ.वती महिलाओं को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है! 250 से ज्यादा एम्ब्युलैंस और 170 जितनी मेडिकल इमर्जंसी टीमें इन इलाकों में लगाई गई हैं!

महाराष्ट्र से टकराया चक्रवात, गुजरात में हालात नियंत्रण में : राहत आयुक्त

निसर्ग चक्रवात को लेकर गुजरात में हालात नियंत्रण में हैं और राज्य के तटीय इलाकों में प्रशासन किसी भी स्थिति से निपटने को तैयार है! चक्रवात के खिलाफ जीरो केज्युलिटी के दृढ़ संकल्प के सात राज्य के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी सभी गतिविधियों का लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं! राज्य के राहत आयुक्त हर्षद पटेल ने बताया कि निसर्ग चक्रवात महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के अलीबाग में लैंडफाल हो गया है! अब तक दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र के 8 जिलों में 63798 नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है! जिसमें सूरत में 8727, नवसारी में 14040, भरुच में 1202, भावनगर में 3066, आणंद में 769, अमरेली में 2068, गिर सोमनाथ में 228 और वलसाड में सबसे ज्यादा 33680 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया गया है! स्थानांतरित किए गए लोगों में 252 गर्भवती महिलाएं भी शामिल हैं! राज्य सरकार द्वारा तैयार किए गए 332 आश्रयस्थानों पर कोविड 19 की स्थिति को ध्यान में रखते हुए सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क और सैनिटाइजिंग इत्यादि की व्यवस्था की गई है! उन्होंने बताया कि बुधवार की दोपहर महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के अलीबाग में टकराया है! उस दौरान हवा की रफ्तार 90 से 100 किलोमीटर प्रति घंटे के थी! चक्रवात को देखते हुए गुजरात में एनडीआरएफ की 18 और एसडीआरएफ की 6 टीमों को तैनात किया गया है! चक्रवात का असर गुजरात में कम होने से पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य के कई जिलों में सामान्य बारिश हुई है! राज्य के तटीय क्षेत्रों में प्रभारी सचिव पैनी नजर बनाए हुए हैं! स्टेट इमर्जंसी ऑपरेशन सेंटर में हालात पर निगरानी की तीन शिफ्ट में तीन अतिरिक्त कलेक्टर स्तर के अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है! तटीय क्षेत्र के संभावित प्रभावित जिलों में रहनेवाले नमक क्षेत्र के श्रमिक, मछुआरे और झिंगा फार्म में काम करने वाले 17 लाख जितने नागरिकों को एसएमएस के जरिए सतर्क किया गया!

एनडीआरएफ की 18 और एसडीआरएफ की 6 टीमें तैनात, 63798 लोगों का स्थानांतरण

इसके अलावा हाईमास्टर टावर और हॉर्डिंग्स इत्यादि को भी उतार लिया गया है! दूसरी ओर अस्पताल, पीएचसी और सीएचसी सेंटरों में ऑक्सिजन और बिजली आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है! हैद्य जबकि भरुच समेत अन्य इलाकों में 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवा चल सकती है और इन इलाकों में भारी बारिश हो सकती है! राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव पंकज कुमार के मुताबिक इन संभावनाओं को देखते हुए दक्षिण गुजरात में 50000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है! सभी आश्रयस्थानों पर कोरोना की गाइडलाइन के मुताबिक विशेष ऐहतियात बरता जा रहा है! इतना ही नहीं झिंगा

पांच दिन में नर्मदा बांध के जलस्तर में 2 मीटर का इजाफा

कोरोना, टिड्डी और चक्रवात संकट के बीच गुजरात के लिए अच्छी खबर आई हैद्य गुजरात की जीवनदायिनी सरदार सरोवर नर्मदा बांध के जलस्तर में 2 मीटर का इजाफा हुआ है! पिछले कई दिनों से नर्मदा बांध

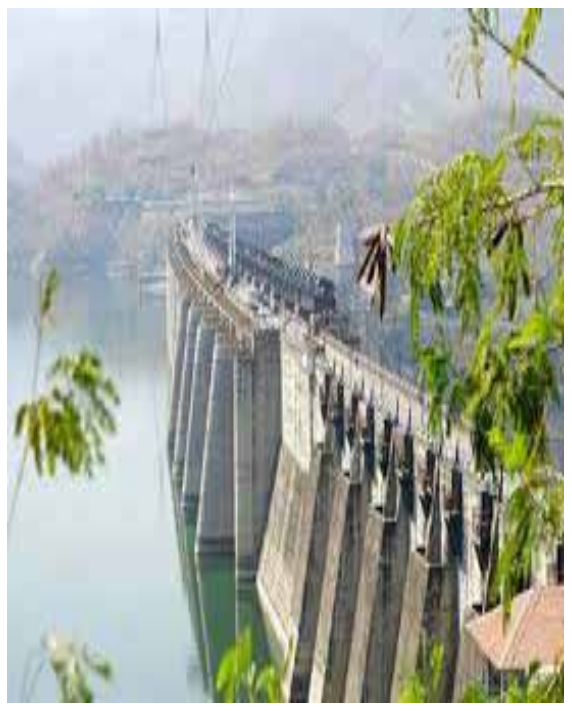

का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है! पिछले 5 दिन में बांध के जलस्तर में 2 मीटर की वृद्धि हुई है और इसके साथ बांध का जलस्तर 123.02 मीटर पर पहुंच गया है! नर्मदा बांध का जलस्तर बढ़ने से सरकार समेत किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई है! ऊपरी क्षेत्र से 12000 क्यूसेक पानी की आय के बाद राज्य की मुख्य नहर में 6000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है! नर्मदा बांध में फिलहाल 1765 एमसीएम जलराशि उपलब्ध है!

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)